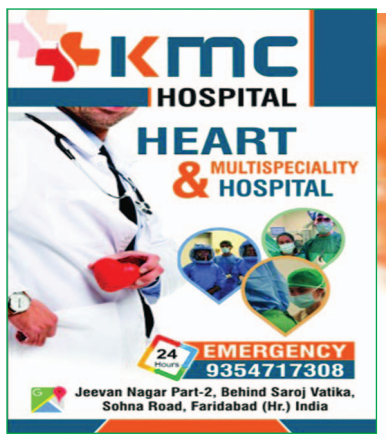

ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

आप सभी को अलाईव न्यूज परिवार की ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

Vol. 11 Issue No. 13 Faridabad (NCR) Monday, 01-15 August 2022 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/21-23 Page : 8

'अलाईव न्यूज' की हर ताजा खबरें पढ़ने और देखने के लिए हमारी वेबसाईट (www. alivenews.co.in), फेसबुक पेज (alivenewsindia), यू-ट्यूब (alivenews) चैनल भी देख सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस का स्वर्णिम इतिहास

ब्रिटिश शासन से आजादी मिलने की वजह से भारत में स्वतंत्रता दिवस सभी भारतीयों के लिये एक महत्वपूर्ण दिन है। हम इस दिन को हर साल 15 अगस्त 1947 से मना रहे है। गांधी, भगत सिंह, लाला लाजपत राय, तिलक और चन्द्रशेखर आजाद जैसे हजारों देशभक्तों की कुर्बानी से स्वतंत्र हुआ भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रुप में गिना जाता है। आजादी के इस पर्व को सभी भारतीय अपने-अपने तरीके से मनाते है, जैसे उत्सव की जगह को सजा कर, फिल्में देखकर, अपने घरों पर राष्ट्रीय झंडे को लगा कर, राष्ट्रगान और देशभक्ति गीत गाकर तथा कई सारे सामाजिक क्रियाकलापों में भाग लेकर। राष्ट्रीय गौरव के इस पर्व को भारत सरकार द्वारा बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली के लाल किले पर झंडा फहराया जाता है और उसके बाद इस उत्सव को और खास बनाने के लिये भारतीय सेनाओं द्वारा परेड, विभिन्न राज्यों की झांकियों की प्रस्तुति, और राष्ट्रगान की धुन के साथ पूरा वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो उठता है। राज्यों में भी स्वतंत्रता दिवस को इसी उत्साह के साथ मनाया जाता है जिसमें राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्री मुख्य अतिथी के तौर पर होते हैं। कुछ लोग सुबह जल्दी ही तैयार होकर प्रधानमंत्री के भाषण का इंतजार करते हैं। भारतीय स्वतंत्रता इतिहास से प्रभावित होकर कुछ लोग 15 अगस्त के दिन देशभक्ति से संबंधित फिल्में देखते हैं साथ ही सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। महात्मा गांधी के अहिंसा आंदोलन की वजह से हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को खूब मदद मिली और 200 साल के लंबे संघर्ष के बाद ब्रिटिश शासन से आजादी मिली। स्वतंत्रता के लिये किये गये कड़े संघर्ष ने उत्प्रेरक का काम किया जिसने ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपने अधिकारों के लिये हर भारतीय को एक साथ किया, चाहे वो किसी भी धर्म, वर्ग, जाति, संस्कृति या परंपरा को मानने वाले हो। यहां तक कि अरुणा आसिफ अली, एनी बेसेंट, कमला नेहरु, सरोजिनी नायडु और विजय लक्ष्मी पंडित जैसी महिलाओं ने भी चुल्हा-चौका छोड़कर आजादी की लड़ाई में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। 15 अगस्त 1947 एक ऐसी तिथी है जिसे हमारे इतिहास में सुनहरे अक्षरों से लिखा गया है। एक ऐसा दिन जब भारत आज़ाद हुआ, अंग्रेज़ भारत छोड़ने पर मजबूर हो गये थे। हमें दो सौ साल कि गुलामी से आज़ादी मिली थी, तो जश्न भी उतना ही बड़ा होना था और शायद यही वजह है कि आज भी हम इसे उतने ही धूम-धाम से मनाते हैं। अंग्रेजों के भारत पर कब्जे के बाद हम अपने ही देश में गुलाम थे। पहले सब कुछ हमारा था जैसे कि धन, अनाज, ज़मीन परंतु अंग्रेजों के आने के बाद किसी चीज़ पर हमारा अधिकार नहीं था। वे मनमाना लगान वसूलते और जो मन उसकी खेती करवाते जैसे नील और नकदी फसलों की खेती आदि। ऐसा खास तौर पर बिहार के चंपारण में देखा गया। हम जब भी उनका विरोध करते हमें उससे भी बड़ा जवाब मिलता, जैसे कि जलियांवाला बाग हत्याकांड। प्रतारण की कहानियों की कमी नहीं है और न ही कमी है हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के साहस पूर्ण आंदोलनों की, उनके अथक प्रयासों का ही नतीजा है कि आज़ हमारे लिए यह इतिहास है। अंग्रेजों ने हमें बुरी तरह लूटा, जिसका एक उदाहरण कोहिनूर भी है, जो आज उनकी रानी की ताज कि शोभा बढ़ा रहा है। लेकिन हमारे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर आज भी सबसे कुलीन है और शायद यही वजह है कि आज भी हमारे देश में अतिथियों को देवताओं की तरह पूजा जाता है और जब-जब अंग्रेज भारत आएंगे हम उनका स्वागत करते रहेंगे लेकिन इतिहास का स्मरण करते हुए।

स्वतंत्रता सेनानीयों का योगदन

हमारे स्वतंत्रता सेनानी जैसे गांधी जी, जिनका आज़ादी के लिए संघर्ष में अतुल्य योगदान रहा है और वे सबसे लोकप्रिय भी थे। उन्होने सबको सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया और वह अहिंसा ही था, जो सबसे बड़े हथियार के रूप में उभरा और कमज़ोर से कमज़ोर व्यक्ति के जीवन में भी उम्मीद के दीपक जलाए। गांधी जी ने देश से कई कुप्रथाओं को हटाने के कुलजोर प्रयास किये और सभी तबकों को साथ लाया, जिसकी वजह से यह लड़ाई और आसान हो गई। उनके लिये लोगों का प्यार ही था जो लोग उन्हें लोग बापू बुलाते थे। साइमन कमीशन के विरोध में सब शांतिप्रिय तरीके से विरोध कर रहे थे, लेकिन इसी बीच अंग्रेजों ने लाठी चार्ज शुरू कर दिया और इसमें लाला लाजपत राय की मृत्यु हो गई। इससे आहत होकर भगत सिंह, सुख देव, राजगुरू ने सांडर्स की हत्या कर दी और बदले में इन्हें फ़ासी की सजा हुई और वे हंसते-हंसते फ़ासी की तख्त पर चढ़ गए। आजादी की इस लड़ाई में सैकड़ों ऐसे नाम हैं जैसे सुभाष जन्द्र बोस, बाल गंगाधर तिलक, मंगल पांडे, रानी लक्ष्मीबाई, गणेश शंकर विद्यार्थी, राजेंद्र प्रसाद, मौलाना अबुल कलाम आजाद आदि जिनके योगदान अतुलनीय हैं।

आजादी का रंगीन पर्व

स्वतंत्र भारत में इस पर्व को मनाने के तरीके अलग-अलग हैं। हफ्ते भर पहले से बाजारों में रौनक आ जाती है, कहीं तीन रंगों की रंगोली बिकती है, तो कहीं तीन रंगों की लाइटें। पूरा समां ही मानो इन रंगों में समा जाता है। कहीं पर खुशी का माहौल होता है, तो कहीं देशभक्ती गीतों की झनकार। पूरा देश नाचते-गाते इस उत्सव को मनाता है। लोग खुद भी झूमते हैं और दूसरों को भी थिरकने पर मजबूर कर देते हैं। पूरा देश एक जुट हो जाता है वो भी ऐसे, कि क्या हिंदू क्या मुसलमान, कोइ भेद ही नज़र नहीं आता।

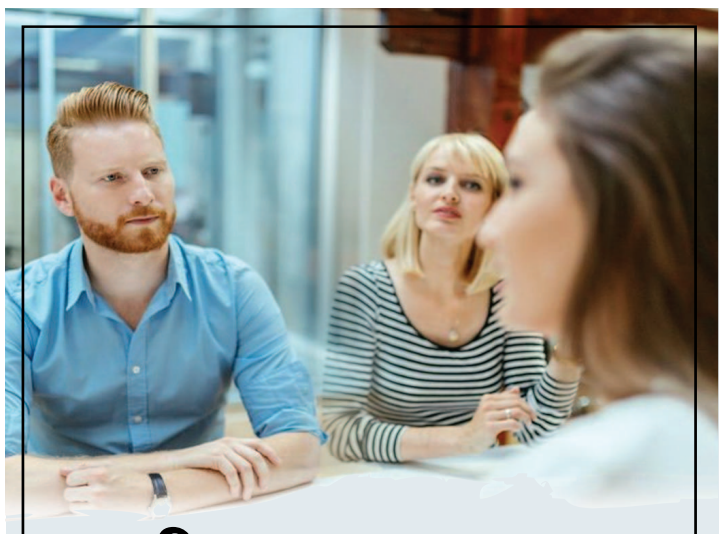

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी
की हार्दिक शुभकामनाएं

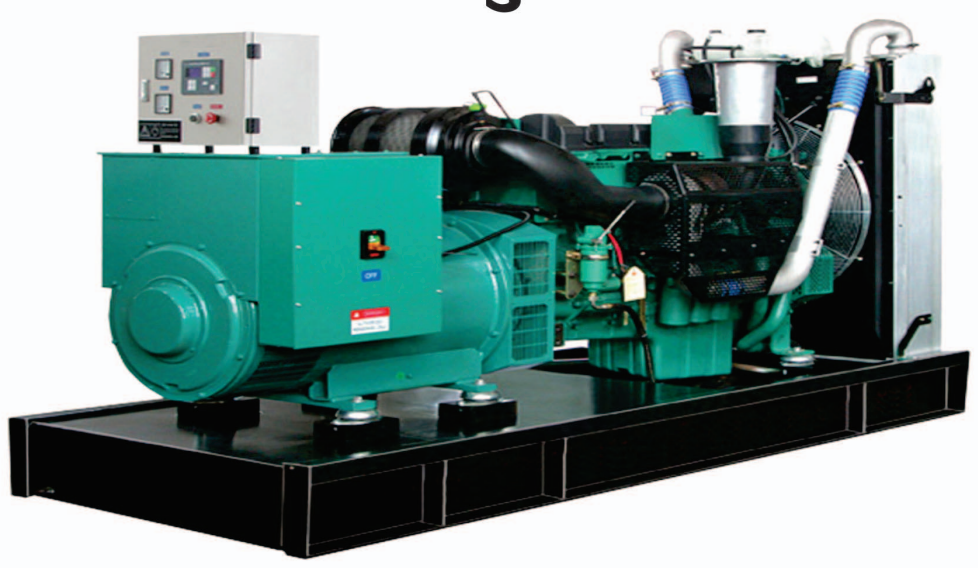

Cont. : 9015157037, 0129-4070270
T.R. GENERATORS
DEALS IN
5KVA TO 300 KVA
All Types Diesel Engine Repairing
Hire, Sale & Purchase
Works : Jeewan Nagar, Part-II, Near Baba Balaknath
Dharm Kanta, Sohna Road, Faridabad
Email : t.r.generators90@gmail.com. www.trgenerators.com

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

मोटरसाइकिल पर निगम पहुंचे संयुक्त आयुक्त, गैरहाजिर अधिकारी और कर्मचारियों पर भड़के

Faridabad/Alive News

सोमवार की सुबह बल्लभगढ़ जॉन कार्यालय का औचक निरीक्षण करते समय नगर निगम संयुक्त आयुक्त प्रशांत अटकान एक्शन मोड में दिखाई दिए। निरीक्षण के लिए संयुक्त आयुक्त अपनी सरकारी गाड़ी की बजाए मोटरसाइकिल पर सवार होकर निगम कार्यालय पहुंचे और एक के बाद एक अधिकारियों और कर्मचारियों के कक्ष में गए। निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त को 10 से 12 फीसदी अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यालय से गैरहाजिर मिले। संयुक्त आयुक्त ने गैरहाजिर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की एक लिस्ट बनाई और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निगम आयुक्त यशपाल यादव को भेज दिया। दरअसल, जब से संयुक्त आयुक्त प्रशांत अटकान ने बल्लभगढ़ जॉन का कार्यभार संभाला है तभी से वह अपने कार्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों की लापरवाही को देख रहे थे। इसके अतिरिक्त उन्होंने अधिकारी और कर्मचारियों को कई बार गलतियां सुधारने के लिए समझाया भी था परन्तु अधिकारी और कर्मचारी अपनी आदतों से बाज नहीं आए और लापरवाही करते चले गए। वही संबंधित मामले को लेकर संयुक्त आयुक्त ने कहा कि जो भी अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित मिले हैं उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए निगम आयुक्त यशपाल यादव को लिस्ट भेज दी गई है और मांग की जा रही है कि गैरहाजिर अधिकारियों और कर्मचारियों का 1 दिन का वेतन काटा जाए।

वृद्धा पेंशनः चार महीने से स्वयं को जीवित साबित करने की जद्दोजहद में लगे हैं 67 वर्षीय राजाराम

Shashi Thakur/Alive News

फरीदाबाद। 67 वर्षीय राजाराम जिला समाज कल्याण के कागजों में स्वयं को जीवित साबित करने के लिए पिछले चार महीने से विभाग में जद्दोजहद कर रहे हैं। लेकिन अधिकारी उन्हें इतनी आसानी से जीवित मानने के लिए तैयार नहीं है। गांव के सरपंच और पटवारी ने उन्हें जिंदा होने की तसदीक कर दी है, फिर भी अधिकारी आरजीआई के डाटा में पीड़ित को जिंदा मानने के लिए राजी नहीं है।

एक तरफ सरकार का दावा हैं कि घर घर जाकर 60 वर्ष तथा इससे अधिक वर्ष के प्रत्येक व्यक्ति की वृद्धा पेंशन बनाई जाएगी। दूसरी तरफ सम्मान भत्ता काटने के लिए आरजीआई में बुजुर्गों को मृत घोषित किया जा रहा है। ये बुजुर्गों का कैसा सम्मान है। इन दिनों विभाग के अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

ऐसा ही मामला फरीदपुर गांव से सामने आया है। जिला समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने आरजीआई में पीड़ित को 14 अप्रैल 2022 को मृत घोषित कर दिया और उनकी पेंशन रोक दी। पीड़ित राजाराम स्वयं को आरजीआई में जीवित घोषित करने और अपनी पेंशन फिर से शुरू करवाने के लिए सरकारी दफ्तर के चक्कर लगा रहे है। राजाराम के अनुसार जब उन्होंने अपनी परेशानी विभाग के कर्मचारियों को बताई तो बदले में कर्मचारियों ने उसने दस हजार रुपये की डिमांड की। राजाराम ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया है। इसके साथ ही पीड़ित ने स्वयं को जीवित साबित करने और दोबारा पेंशन शुरू करने की मांग की है।

सीएम विंडों पर भी नहीं हुई सुनवाई

राजाराम ने बताया कि इस संबंध में सीएम विंडो पर लगभग एक महीने पहले शिकायत की गई थी, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में पीड़ित स्वयं को जीवित साबित करने के लिए ऑफिस-ऑफिस भटक रहे हैं।

क्या कहना है जिला उपायुक्त का

सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी के कारण लोगों का डाटा अपडेट करने में विभाग के अधिकारियों से गड़बड़ी हुई है। जिसके कारण बुजुर्गों को काफी परेशानी हो रही है। इसे ठीक करने का काम जारी है।

-जितेंद्र यादव, जिला उपायुक्त फरीदाबाद।

मानव संस्कार स्कूल में विद्यार्थियों ने धूमधाम से मनाई हरियाली तीज

Faridabad/Alive News

धीरज नगर स्थित मानव संस्कार पब्लिक स्कूल में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ हरियाली तीज का पूर्व मनाया गया। वहीं नर्सरी कक्षा से लेकर दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थी पारंपरिक और रंग बिरंगे वस्त्र पहने हुए नजर आए। वहीं छात्रों की पारंपरिक और रंगीन वेशभूषा समारोह के आकर्षण का केंद्र बनी। तीज की थीम को ध्यान में रखते हुए डिस्प्ले बोर्ड भी उसी के अनुसार सजाए गए थे। झूलों को फूलों से सजाया गया था। इसके अलावा, वरिष्ठ छात्रों के लिए मेहंदी डिजाइनिंग और ड्राइंग कलरिंग गतिविधियों का आयोजन किया गया। मानव संस्कार पब्लिक स्कूल के निदेशक योगेश शर्मा ने इस अवसर पर सभी को बधाई दी और संदेश दिया कि विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन का उद्देश्य छात्रों को उनकी संस्कृति से जोड़ने है। प्रिंसिपल रमा कौल ने कहा कि विद्यार्थियों के तैयारी वाक्य कबीले तरफ है। बच्चों ने इस प्रतियोगिता के लिए काफी मेहनत की थी। जो सफल भी रही।

रक्षाबंधन पर हरियाणा सरकार ने रोडवेज में महिलाओं को मुफ्त यात्रा का दिया तोहफा

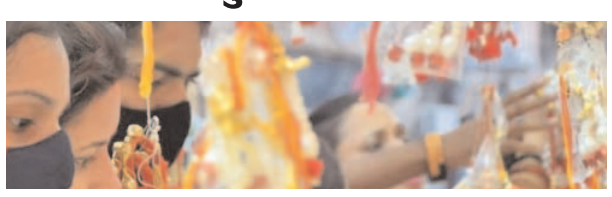

Faridabad/Alive News

हरियाणा सरकार ने रक्षाबंधन के त्योहार पर महिलाओं को इस वर्ष भी मुफ्त बस यात्रा का तोहफा दिया है। प्रदेश सरकार हर साल महिलाओं को यह तोहफा प्रदान करती है। महिलाएं अपने साथ 15 साल तक के बच्चों को भी मुफ्त यात्रा करा सकेंगी। हरियाणा के परिवहन मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन के दिन महिलाओं को बसों में मुफ्त यात्रा करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मुफ्त यात्रा की सुविधा 10 अगस्त को दोपहर 12 बजे से आरंभ होगी तथा 11 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन मध्य रात्रि 12 बजे तक रहेगी। यह सुविधा साधारण व स्टैंडर्ड बसों में दी जाएगी। परिवहन विभाग द्वारा पिछले कई सालों से रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं और 15 साल तक के बच्चों को मुफ्त यात्रा सुविधा दी जाती रही है, लेकिन कोविड-19 महामारी के दौरान इसकी अनुमति नहीं दी गई थी। इस समय चूंकि कोरोना संक्रमण के मामलों में काफी गिरावट दर्ज की गई है, इसलिए इस सुविधा को जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

सेक्टर-56 के मुख्य प्रवेश द्वार पर भरा घुटने-घुटने नाले का गंदा पानी, लोगों में भारी रोष

Faridabad/Alive News

सेक्टर 56 के मुख्य प्रवेश द्वार पर लंबे समय से घुटने-घुटने भरा नाले का गंदा पानी हुडा प्रशासन की नाकामी और हरामखोरी को साफ दर्शाता हैं। इन दिनों बरसात का पानी भरने से सड़क तालाब में तब्दील हो चुकी है। जलभराव से सेक्टर के लोगों का आवागमन बिल्कुल बंद हो चुका है। इसकी शिकायत हुडा अधिकारियों को कई बार दी जा चुकी है। लेकिन अभी तक कोई समाधान नही हुआ।

दरअसल, राजीव कालोनी पुराने सोहना रोड की ओर से सेक्टर 56 में प्रवेश करने वाली सड़क पर पानी की निकासी न होने के कारण राजीव कालोनी के नाले का पानी सेकटर की सड़क पर भर जाता है। ऐसे में वाहन चालकों को यहां से वाहन निकालने में भारी परेशानी होती है। मुख्य सड़क पर भरा पानी कई बार दुपहिया और चार पहिया वाहनों में भर जाता है। इस कारण वाहन बीच पानी में ही बंद हो जाते हैं। ऐसे में वाहन चालक वाहन को धक्का लगाकर पानी से बाहर निकालते है। इतना ही नही सड़क पर पानी भरा होने के कारण दुपहिया वाहन चालक अनियंत्रित होकर गंदे पानी में गिर रहे है। कई वाहन चालक गंभीर रूप से घायल भी हो चुके है। सड़क पर बरसात का पानी भरने के कारण स्थानीय लोगों में भारी रोष हैं। सेक्टर-56 के स्थानीय लोगों ने बताया कि राजीव कालोनी की ओर से सेक्टर का एक ही मुख्य प्रवेश द्वार होने के कारण मजबूरी वश उन्हें इस मार्ग से आवागमन करना पड़ रहा है। सड़क पर इतना पानी भरा है कि सेक्टर के लोगों को बाहर निकलने के लिए भी सोचना पड़ता हैं। हल्की सी बारिश भी यहां खतरनाक रूप ले लेती हैं।

क्या कहना है आरडब्ल्यूए प्रधान का-हम इसकी शिकायत कई बार हुड्डा विभाग को कर चुके हैं। इसके बावजूद अब तक इस समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। हालांकि, सड़क हाल ही में करोड़ो रूपये की लागत से सीमेंटेड बनाई गई है, कहीं भी कोई गड्ढा नहीं है। लेकिन बरसात का पानी भरने के कारण यह सड़क लोगों के आवागमन लायक भी नहीं है। शहर का प्रत्येक महकमा केवल कामचोरी कर रहा है, बिना योजना के काम शुरू कर रहा है। जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है।

-सतीश फोगाट, प्रधान-आरडब्ल्यूए सेक्टर 56

क्या कहना है हुडा विभाग के अधिकारी का

सेक्टर 56 के मुख्य मार्ग पर अब तक बरसात का पानी भरा है। इसकी हमारे पास कोई जानकारी नही थी। लेकिन अब आपने बताया है तो हम दो तीन दिन में मशीन भेजकर जल्द ही सड़क से पानी निकलवा देंगे।

-मनोज कुमार, कार्यकारी अभियंता-हुडा विभाग।

ट्रैक्टर-ट्रॉली को पलटने वाले खुले मैनहोल पर नगर निगम अधिकारियों ने लगवाया ढक्कन

Faridabad/Alive News

बीते मंगलवार को अलाईव न्यूज ने नंगला एनक्लेव पार्ट 1 में खुले मैनहोल में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, बड़ा हादसा टला शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। खबर का संज्ञान लेते हुए नगर निगम अधिकारियों ने खुले मैनहोल पर तुरंत प्रभाव से ढक्कन लगवाया और सड़क पर जमा नाले के गन्दे पानी को पम्प से निकलवाया। मैनहोल का ढक्कन लगने के बाद स्थानीय निवासियों ने थोड़ी राहत की सांस ली।

दरअसल, बीते मंगलवार की सुबह भड़ाना चौक से प्रिंस स्कूल रोड पर नाले का गंदा पानी भरने से सड़क पर खुले सीवर के मैनहोल का ढक्कन टूटे होने से ईंट से भरी ट्रैक्टर-ट्राली पलट गई थी। लेकिन गनीमत ये रही कि उस समय वहां से गुजर रहे दुपहिया वाहन चालक और ट्रैक्टर चालक बाल-बाल बच गए। सीवर के मैनहोल का ढक्कन खुला रहना यह समस्या केवल वार्ड 9 में ही नहीं है बल्कि बल्लभगढ़ और फरीदाबाद विधानसभा के ऐसे कई वार्ड है जहां पर लोग आज भी मैनहोल में गिरकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।

बता दें, नगर निगम पिछले 3 माह से अटल चौक से भड़ाना चौक तक के एक तरफ के नाले का निर्माण कार्य करवा रहा है। लेकिन 3 माह बीतने के बाद भी नगर निगम अधिकारी 300 मीटर नाले का निर्माण पूरा नहीं करवा पाए है। जिसके कारण सड़कों पर नाले का गंदा पानी भरा रहता है और आवागमन करने वाले लोगों को गन्दे पानी से होकर गुजरना पड रहा है।

वहीं, स्थानीय लोगों के मुताबिक नंगला एनक्लेव पार्ट-1 में यह समस्या आज से नहीं बल्कि पिछले आठ सालों से बनी हुई है। सड़कों पर नाले का गंदा पानी भरा होने के कारण लोग आए दिन इस में गिरकर चोटिल हो रहे है। लेकिन खबर प्रकाशित होने के बाद सीवर के मैनहोल पर नगर निगम द्वारा ढक्कन लगा दिया। अब लोगों को थोड़ी राहत मिली है, लेकिन अभी जलभराव की समस्या ज्यों की त्यों है।

नंगला एनक्लेव पार्ट एक में खुले मैनहोल में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, बड़ा हादसा टला

Faridabad/Alive News

मंगलवार की सुबह अटल चौक पर नगर निगम अधिकारियों की लापरवाही से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक पर भारी पड़ गई। चौक पर निगम अधिकारियों ने सीवर मैनहोल को यूं ही खुला छोड़ दिया है। जिसमें आज सुबह एक ट्रैक्टर ट्रॉली का पहिया जा फंसा। लेकिन गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और उस वक्त वहां से गुजर रहे दुपहिया वाहन चालक बाल बाल बच गए। दरअसल, नगर निगम द्वारा पिछले 3 माह से अटल चौक से बढ़ाना चौक तक नाले का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। लेकिन 3 माह बीतने के बाद भी अब तक नगर निगम अधिकारी 300 मीटर के नाले का निर्माण कार्य पूरा नहीं करवा पाए हैं। जिसके कारण सड़कों पर नाले का गंदा पानी भरा रहता है और आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वही स्थानीय लोगों के मुताबिक नगला एनक्लेव पार्ट 1 में यह समस्या आज से नहीं बल्कि पिछले 5 सालों से बनी हुई है। सड़कों पर नाले का गंदा पानी भरा होने के कारण लोग आए दिन इस में गिरकर चोटिल होते हैं। यहां पर वाहन का पहिया फसना या वाहन चालक का गिरना आम बात है। स्थानीय निवासी कई बार इसकी शिकायत निवर्तमान पार्षद विधायक और नगर निगम अधिकारियों से कर चुके हैं लेकिन ना जाने कब तक नाले का निर्माण कार्य पूरा होगा और लोगों को हादसों से निजात मिलेगी।

क्या कहना है कार्यकारी अभियंता का

हमें सूचना मिली है कि वहां पर एक वाहन का पहिया सीवर के मैनहोल में फंसा हुआ है। सूचना मिलते ही मौके पर जेई को भेजा गया है। हम कोशिश कर रहे हैं और बहुत जल्द सड़क का पानी निकलवा कर सीवर पर ढक्कन लगवा देंगे।

3 माह बीतने के बाद भी अब तक नगर निगम अधिकारी 300 मीटर के नाले का निर्माण कार्य पूरा नहीं करवा पाए हैं। जिसके कारण सड़कों पर नाले का गंदा पानी भरा रहता है और आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वही स्थानीय लोगों के मुताबिक नगला एनक्लेव पार्ट 1 में यह समस्या आज से नहीं बल्कि पिछले 5 सालों से बनी हुई है।

ओ. पी कर्दम, कार्यकारी अभियंता नगर निगम फरीदाबाद।

क्या कहना है विधायक का

प्रिंस स्कूल रोड पर नाले का निर्माण कार्य चल रहा है जिसकी वजह से वहां जलभराव हो रहा है जल्द ही नगर निगम अधिकारियों को बोलकर सड़क से पानी निकलवाया जाएगा और खुले मैनहोल का ढक्कन लगवाया जाएगा।

-नीरज शर्मा, विधायक एनआईटी।

कछुए की चाल से हो रहा है नंगला एनक्लेव पार्ट-1 के नाले का निर्माण, क्षेत्र में जलभराव से लोग परेशान

Faridabad/Alive News

अटल चौक से भड़ाना चौक तक का नाला नगर निगम अधिकारियों के लिए टेढ़ी खीर बना हुआ है। तीन महीने बीतने के बाद भी अधिकारी करीब तीन सौ मीटर के नाले का निर्माण कार्य पूरा नहीं करा पाए। क्षेत्र की जल निकासी रूकने से सड़को पर बाढ़ जैसे हालात हो रहे हैं। भड़ाना चौक से अटल चौक तक सड़क पर नाले के गंदे पानी का भराव लोगों के बीच परेशानी का कारण बना हुआ है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक नंगला एन्क्लेव पार्ट एक प्रिंस स्कूल रोड पर नाला ओवरफ्लो की समस्या पिछले पांच साल से बनी हुई है। बीते दिनों हुई बरसात ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क पर गंदा पानी भरे होने के कारण लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। स्कूल आते-जाते बच्चे गंदे पानी में गिर रहे हैं जिससे उनके कपड़े खराब हो हैं कई बार ये चोटिल भी हो जाते हैं। इस समस्या का समाधान वार्ड-9 के निवर्तमान पार्षद महेंद्र सरपंच और अधिकारी आज तक नहीं करा पाए हैं।

इसलिए होता है जलभराव

लोगों के मुताबिक पहले से बना एक तरफ का नाला टूट चुका है और दूसरी तरफ के नाले की सफाई नहीं होती, जिससे प्रिंस स्कूल के सामने बारह मास नाला ओवरफ्लो होता रहता है। इस सड़क पर जगह जगह सीवर के ढक्कन टूटे हुए हैं, जलभराव के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते और दुपहिया वाहन चालक हर रोज गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

क्या कहना है लोगों का

क्षेत्र के लोग जलभराव की समस्या से काफी परेशान है, नाले का निर्माण शुरू हुए लगभग तीन महीने बीत चुके हैं। अधिकारियों की लापरवाही क्षेत्र के लोगों पर भारी पड़ रही है।

-पूरन सिंह बघेल, स्थानीय निवासी

नाला ओवरफ्लो की समस्या पहले से थी, अब बरसात के कारण परेशानी बढ़ गई है, लेकिन संबंधित अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है।

-मंगल सेन गोला, स्थानीय निवासी

क्या कहना है नगर निगम अधिकारी का

बरसात के कारण काम रुका हुआ है, नाले से पानी निकालने का काम किया जा रहा है, जल्द निर्माण कार्य भी पूरा कर दिया जाएगा। लोग नाले में मलबा और गोबर फेंकते हैं, नाले का काम रुकने के यह एक अहम कारण है।

-ओपी कर्दम, कार्यकारी अभियंता।

ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा मासिक पत्रिका 'मानस पर्व' का विमोचन

Faridabad/Alive News

बल्लभगढ़ स्थित बालाजी कॉलेज में ग्रीन इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा मासिक पत्रिका मानस पर्व का विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डीएवी शताब्दी कॉलेज की प्रचार्या डॉ सविता भगत और विशिष्ट अतिथि संयुक्त राष्ट्र संघ के भारतीय पत्रकारिता सलाहकार दीपक परवतियार पहुंचे।

प्रचार्या डॉ. सविता भगत ने संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारी शिक्षा का पर्यावरण से औपचारिक संबंध भी नही रह गया है जिससे हमारे संस्कार और व्यवहार में गिरावट आई है। शिक्षा एक शसक्त साधन के रूप में पर्यावरण से सामंजस्य, सहज आचरण और संतुलित जीवन हेतु तैयार कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र संघ के भारतीय पत्रकारिता सलाहकार दीपक परवतियार ने कहा कि भारत भूमि सृजन और परम ज्ञान की भूमि है जो पूरे विश्व के पालन की क्षमता रखता है। हमारा अपरिग्रह का आचरण और विश्व शांति का स्वभाव प्रकृति के सर्वाधिक नजदीक लेकर जाता है और हमारी शाश्वत संस्कृति का मूल है।

मानस पर्व के प्रधान संपादक जगदीश चौधरी ने कहा कि प्रकृति अनुरूप व्यवहार, समय अनुसार नियोजन और निस्वार्थ सहजीवन हमारे जीवन को सार्थक बनाता है परंतु आज जैसे ये जीवन मूल्य कहीं खो से गए हैं। सभी व्यक्तिगत स्वार्थ में सबके से अपने, हम से मैं तक सिकुड़ गए हैं। परंतु हमारा मूल स्वभाव संकीर्णता का नही अपितु विस्तार का है। यही हमारी प्रकृति प्रदत्त वृत्ति है।

यमुना पुत्र अशोक उपाध्याय, नायक जय प्रकाश

नारायण शोध संस्थान के अध्यक्ष अभय सिन्हा, पर्यावरणविद और पत्रकार प्रशांत सिन्हा, राकेश बिसला महेंद्रू ने अपने विचार रखे। वरिष्ठ पत्रकार और तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के मीडिया सलाहकार ज्ञानेंद्र रावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्राध्यापक उषा डागर, ममता मालिक, चेतन प्रकाश, इशू जैन, केके झा, दिनेश कुमारी सहित अनेक सामाजिक लोगों ने भागीदारी की।

डीएवी स्कूल एनटीपीसी में विद्यार्थियों ने धूमधाम से मनाया तीज महोत्सव

Faridabad/Alive News

डीएवी पब्लिक स्कूल एनटीपीसी में तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अभिभावकों के लिए बहुत ही सुंदर झूला तैयार किया और सभी अभिभावकों ने अध्यापिकाओं के साथ मिलकर तीज पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया। वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने अभिभावकों के लिए मेहंदी लगाने का भी प्रबंध किया। विद्यालय में कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने प्रत्येक विषय के मॉडल, परियोजना कार्य, कला एकीकरण गतिविधि तथा विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित राखियों की बहुत ही सुंदर प्रदर्शनी प्रस्तुत की। सभी अभिभावकों ने इस प्रदर्शनी की अत्यंत प्रशंसा की। इस अवसर पर डीएवी स्कूल की प्रधानाचार्या अलका अरोड़ा ने सभी को बधाई दी और संदेश दिया कि विभिन्न सांस्कृतिक व क्रियात्मक गतिविधियों के आयोजन का उद्देश्य छात्रों को उनकी संस्कृति व क्रियात्मक विकास से जोड़ना है।

तरुण निकेतन स्कूल में पौधरोपण और तीज महोत्सव का आयोजन, उपायुक्त ने लगाए पौधे

Faridabad/Alive News

पल्ला स्थित तरुण निकेतन पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को पौधरोपण और तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में जिला उपायुक्त जितेंद्र यादव और डिप्टी डायरेक्टर एससीईआरटी रितु चौधरी पहुंची। मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित का कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला उपायुक्त ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पांचवी छठी कक्षा के प्रत्येक बच्चे एक पौधा जरूर लगाएं और बारहवीं कक्षा तक उसकी देखभाल करें। सभी के सहयोग से फरीदाबाद और देश क्लीन व ग्रीन बनेगा। डिप्टी डायरेक्टर एससीईआरटी रितु चौधरी ने तीज के त्योहार पर प्रकाश डालते हुए बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों को कठिन परिश्रम और मेहनत करनी चाहिए। मेहनत और कठिन परिश्रम के बल पर ही आप आगे बढ़ सकते हैं। स्कूल की वाइस प्रिंसिपल राधा सिंह तंवर ने स्कूल की अध्यापिकाओं और बच्चों के साथ झूला झूलकर तीज की बधाई दी। उन्होंने बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि सभी को अपने जीवन के खास लम्हों पर पौधा अवश्य लगाना चाहिए। जिला उपायुक्त और डिप्टी डायरेक्टर एससीईआरटी ने इस अवसर पर पौधे लगाएं। तरुण स्कूल के डायरेक्टर कमल सिंह तंवर, चेयरमैन हिमांशु तंवर तथा स्कूल की प्रिंसिपल रंजना सोबती ने मुख्य अतिथियों को पौधे भेंट कर कार्यक्रम में पधारने पर आभार व्यक्त किया।

पी.पी. कान्वेंट स्कूल में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू किया सिलाई कढ़ाई सेंटर

Faridabad/Alive News

डबुआ, 27 फुट रोड़ स्थित पी.पी. कान्वेंट सीनियर सेकंडरी स्कूल के परिसर में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रूद्राक्ष फाउंडेशन ने सिलाई-कढ़ाई सेंटर की शुरूआत की है। सिलाई-कढ़ाई सेंटर का शुभारंभ संस्था के संस्थापक नंदकिशोर, स्कूल के प्रिंसिपल बीना पाल, यशपाल रावत, सरोज नेगी, एलपी मदान, स्कूल के चेयरमैन विमल पाल, भाजपा नेता एवं निवर्तमान पार्षद प्रतिनिधि कविंदर चौधरी ने विधिवत की।

25 महिलाओं प्रशिक्षण के लिए कराया रजिस्ट्रेशन

संस्था की मेनैजर सरोज ने बताया कि संस्था के शुभारंभ के पहले दिन 25 महिलाओं ने प्रशिक्षण के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। सरोज ने कहा कि इस सेंटर के शुरू करने का उद्देश्य कमजोर महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाना है। यह सेंटर स्कूल परिसर में शाम चार से छह बजे तक संचालित किया जाएगा और अनुभवी ट्रेनरों द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। भाजपा नेता एवं निवर्तमान पार्षद प्रतिनिधि कविंदर चौधरी ने कहा कि इस सिलाई- कढ़ाई सेंटर में हमारे क्षेत्र की कमजोर महिलाएओं को काफी सहयोग मिलेगा। यहां से प्रशिक्षित होकर महिलाएं कहीं भी नौकरी करके अपना घर खर्च चला सकेंगी।

इसके अलावा संस्था के संस्थापक नंदकिशोर ने कहा कि हमारी संस्था का उद्देश्य सभी लड़कियों और महिलाओं को सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर तो बनाना है ही साथ साथ रोजगार सर्जन करने वाला भी बनाना है। संस्था की तरफ से प्रशिक्षुओं को सिलाई मशीन भी भेंट की जाती है, ताकि वह घर पर

ही सिलाई कढ़ाई करके अपनी जीविका चला सकें। पी. पी. कान्वेंट स्कूल के स्कूल के चेयरमैन विमल पाल ने कहा कि नेक कार्य के लिए स्कूल परिसर की बिल्डिंग रूद्राक्ष फाउंडेशन को दी है। संस्था स्कूल की छुट्टी के बाद शाम को आस पास के क्षेत्र की महिलाओं को सिलाई कढ़ाई का प्रशिक्षण देगी। स्कूल भी इस सेवा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि आज संस्था ने 25 महिलाओं से सिलाई कढ़ाई सेंटर की शुरूआत की है। इस सेंटर में महिलाएं सिलाई कढ़ाई का काम सीखेंगी और समाज की मुख्यधारा से जुड़ पाएंगी।

संपादकीय

कैसे हों आयुष्मान

यह बात परेशान करने वाली है कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उपचार कराने के जरूरतमंदों के लिये पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ ने अपने दरवाजे बंद कर दिये हैं। वजह पंजाब सरकार द्वारा गत सात माह से इलाज के बाकी 16 करोड़ का भुगतान न करना है। निस्संदेह यह स्थिति पंजाब के सत्ताधीशों की संवेदनहीनता व कमजोर वर्ग के रोगियों के प्रति उदासीनता को ही दर्शाती है। दरअसल, पीजीआईएमईआर हर महीने पंजाब के बारह से चौदह सौ के करीब रोगियों का उपचार करता है। विडंबना यह भी कि सत्ताधीशों की उदासीनता के चलते पंजाब में कोई सरकारी अस्पताल इस योजना के तहत मरीजों का उपचार नहीं करता। पीजीआई की इस कार्रवाई के चलते कई गंभीर रोगों से जूझ रहे कमजोर वर्ग के मरीज उपचार से वंचित हो रहे हैं। पीजीआई द्वारा 21 दिसंबर, 2021 से किये गये दावों का करीब सोलह करोड़ रुपये पंजाब सरकार पर बकाया है। अब एक अगस्त से पंजाब के आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी इस योजना के लाभ पाने से वंचित होंगे। इससे पहले पीजीआई के अधिकारियों ने राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण पंजाब से लाभार्थियों को प्रदान किये गये उपचार के संबंधित लंबित दावों का भुगतान करने का आग्रह किया था, लेकिन राज्य सरकार ने इसके भुगतान में कोई रुचि नहीं दिखायी। इतना ही नहीं, पीजीआईएमईआर के अधिकारियों ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की कार्यान्वयन एजेंसी राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण को भी पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप के लिये आग्रह किया था। दरअसल, मोदी सरकार की इस महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना में कमजोर वर्ग के लोगों को पांच लाख तक बीमा कवर प्रदान किया था जिसके अंतर्गत चालीस करोड़ लोगों को इसके दायरे में लाने का लक्ष्य था। मकसद यही था कि कमजोर वर्गों के लोग आसानी से गंभीर व सामान्य रोगों का उपचार करवा सकें। जिसके अंतर्गत 18 साल से अधिक उम्र के लोग जरूरी दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन व ऑफलाइन आवेदन करके इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

दरअसल, इस योजना के तहत प्रावधान है कि केंद्र सरकार द्वारा साठ प्रतिशत व राज्य सरकारों द्वारा चालीस प्रतिशत के अनुपात में धनराशि देकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। राज्य के द्वारा दिये जाने वाले हिस्से का ही पंजाब सरकार भुगतान नहीं कर रही है। कई राज्यों में जहां इस योजना में बीमा कंपनियों की भूमिका तय की गई थी, वहीं करीब बीस राज्यों ने ट्रस्ट बनाकर लाभार्थियों को उपचार की सुविधा पहुंचाने की गंभीर पहल की। दरअसल, बीमा कंपनियों के साथ कई राज्यों के अनुभव अच्छे नहीं रहे। जहां सरकारों से बीमा कंपनियों ने पूरी रकम ले ली, वहीं दावों का भुगतान बेहद कम संख्या में किया। इस दिशा में हरियाणा सरकार ने ट्रस्ट बनाकर लाभार्थियों को राहत पहुंचाने का उपक्रम किया। करीब एक हजार से अधिक पैकेज तय किये ताकि छोटी-बड़ी बीमारियों को इसमें कवर किया जा सके। राज्य सरकार ने जहां निजी अस्पतालों को अपने पैनल में लिया, वहीं तमाम सरकारी अस्पतालों को भी पैनल में शामिल किया। जिससे आयुष्मान भारत योजना का लाभ अधिक संख्या में लोग उठा सकें। राज्य सरकार ने बीमारियों के उपचार हेतु बुनियादी ढांचा बनाने की भी पहल की जिनका संचालन राज्य सरकार ट्रस्ट बनाकर कर रही है। पंजाब के आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों का पीजीआई में इलाज से वंचित होना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। लोकलुभावनी राजनीति करने वाले राजनेता यदि राज्य में स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराना अपनी प्राथमिकता नहीं बनाते तो इसे राज्य की लोककल्याण की अवधारणा से खिलवाड़ ही कहा जायेगा। मुफ्त की राजनीति करने वाले नेताओं को इस बात का अहसास नहीं है कि रोटी-कपड़ा-मकान की प्राथमिकताओं के क्रम में ही स्वास्थ्य सेवाओं को भी तरजीह दी जानी चाहिए। राज्य की बदहाल चिकित्सा का सच किसी से छिपा नहीं है। यदि राज्य के सरकारी अस्पतालों को इस योजना के दायरे में शामिल किया जाता तो निश्चित रूप से दूरदराज के रोगियों को उपचार के लिये चंडीगढ़ के बड़े अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा।

डूबना शहरों की नियति!

तय है कि आने वाले दिन शहरीकरण के विस्तार के हैं, तो फिर किया क्या जाए? एक तो जिन शहरी इलाकों में जल भराव होता है, वहां के जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाी हो। दूसरा, किसी भी इलाके में प्रति घंटा अधिकतम बरसात की संभावना का आकलन कर जल निकासी के अनुरूप ड्रेन बनाए जाएं। यह भी अनिवार्य है कि शहरीकरण-जलवायु परिवर्तन और जल निकासी पर पाठ्यक्रम तैयार हों और इन विषयों के विशेषज्ञ तैयार किए जाएं।

पंकज चतुर्वेदी

देश में जहां भी बरसात हुई, सुकून से ज्यादा आफत बन गई। बरसात अचानक बहुत तेज, बड़ी बूंदों के साथ और कम समय में इफरात में हो रही है।

बरसात की धार ने आईना दिखा दिया विकास का प्रतिमान कहे जाने वाले शहरों को, राजधानी दिल्ली हो, जयपुर या स्मार्ट सिटी परियोजना वाले इंदौर-भोपाल या बैंगलुरू या फिर हैदराबाद। अब जिला मुख्यालय स्तर के शहरों में भी बरसात में सड़क का दरिया बनना आम बात हो गई है। विडंबना है कि ये वे शहर हैं, जहां सारे साल एक-एक बूंद पानी के लिए मारामारी होती है, लेकिन पानी तनिक भी बरस जाए तो अव्यवस्थाएं उन्हें पानी-पानी कर देती हैं। बीते एक दशक के दौरान इस तरह शहरों में जल जमाव का दायरा बढ़ता जा रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में हाईकोर्ट से ले कर सुप्रीम कोर्ट तक कई-कई बार स्थानीय निकाय को बरसात में जल जमाव के स्थायी हल निकालने के लिए ताकीद कर चुके हैं। लेकिन हर बरसात में हाल पहले से बदतर होते हैं। अब समझना होगा कि जलवायु पर्वितन में बरसात का अनियमित होना और चरम होना अब सतत जारी रहेगा और शहरों में सड़क निर्माण से अधिक ध्यान ड्रेनेज, बहाव के ढाल और जमा पानी के संग्रहीकरण पर करना जरूरी है। आम बात है कि जिन शहरों में सड़कें बन रही हैं, वहां बरसात होने की दशा में जल निकासी पर कोई सटीक काम हो नहीं रहा है। आर्थिक उदारीकरण के दौर में जिस तरह खेती-किसानी से लेगों को मोह भंग हुआ और जमीन को बेच कर शहरों में मजदूरी करने का प्रचलन बढ़ा है, उससे गांवों का कस्बा बनना, कस्बों का शहर और शहर का महानगर बनने की प्रक्रिया तेज हुई है।

विडंबना है कि हर स्तर पर शहरीकरण की एक ही गति-मति रही, पहले आबादी बढ़ी, फिर खेत में अनधिकृत कालोनी काट कर या किसी सार्वजनिक पार्क या पहाड़ पर कब्जा कर अधकच्चे, उजड़े से मकान खड़े हुए। कई दशकों तक न तो नालियां बनीं, न सड़क और धीरे-धीरे इलाका 'अरबन-स्लम' में बदल गया। लोग रहें कहीं भी लेकिन उनके रोजगार, यातायात, शिक्षा और स्वास्थ्य का दबाव तो उसी 'चार दशक पुराने' नियोजित शहर पर पड़ा, जिस पर अनुमान से दस गुना ज्यादा बोझ हो गया है। परिणाम सामने हैं कि दिल्ली, बंबई, चेन्नई, कोलकाता जैसे महानगर ही नहीं, देश के आधे से ज्यादा शहरी क्षेत्र अब बाढ़ की चपेट में हैं। गौर करने लायक बात यह भी है कि साल में ज्यादा से ज्यादा 25 दिन बरसात के कारण बेहाल हो जाने वाले ये शहरी क्षेत्र पूरे साल में आठ से दस महीने पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसते हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के एक शोध में

सामने आया है कि नदियों के किनारे बसे लगभग सभी शहर अब थोड़ी सी बरसात में ही दम तोड़ देते हैं। दिक्कत अकेले बाढ़ की ही नहीं है, इन शहरों की दुरमट मिट्टी में पानी सोखने की क्षमता अच्छी नहीं होती। चूंकि शहरों में अब गलियों में भी सीमेंट पोत कर आरसीसी सड़कें बनाने का चलन बढ़ गया है, और औसतन बीस फीसदी जगह ही कच्ची बची है, सो पानी सोखने की प्रक्रिया नदी-तट के करीब की जमीन में तेजी से होती है। जाहिर है कि ऐसी बस्तियों की उम्र ज्यादा नहीं है, और लगातार कमजोर हो रही जमीन पर खड़े कंक्रीट के जंगल किसी छोटे से भूकंप से भी ढह सकते हैं। याद करें दिल्ली में यमुना किनारे वाली कई कालोनियां के बेसमेंट में अप्रत्याशित पानी आने और ऐसी कुछ इमारतों के गिर जाने की घटनाएं भी हुई हैं।

यह दुखद है कि हमारे नीति निर्धारक अभी भी अनुभवों से सीख नहीं रहे हैं, और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य की नई बन रही राजधानी अमरावती कृष्णा नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बनाई जा रही है। कहा जा रहा है कि यह पूरी तरह नदी के तट पर बसी होगी लेकिन यह नहीं बताया जा रहा कि इसके लिए नदी के मार्ग को संकरा कर जमीन उगाही जा रही है, और उसका अति बरसात में डूबना और यहां तक कि धंसने की पूरी-पूरी आशंका है। शहरों में बाढ़ के बड़े कारण पारंपरिक जल संरचनाओं जैसे-तालाब, बावड़ी, नदी का खत्म करना और उनके जल आगम क्षेत्र में अतिक्रमण, प्राकृतिक नालों पर अवैध कब्जे, भूमिगत सीवरों की ठीक से सफाई न होना हैं। लेकिन इनसे भी बड़ा कारण है हर शहर में हर दिन बढ़ते कूड़े के अंबार और उनके निबटान की माकूल व्यवस्था न होना। बरसात होने पर यही कूड़ा पानी को नाली तक जाने या फिर सीवर के मुंह को बंद करता है।

शहरीकरण और वहां बाढ़ की दिक्कतों पर विचार करते समय एक वैश्विक त्रासदी को ध्यान में रखना जरूरी है-जलवायु परिवर्तन। इस बात के लिए हमें तैयार रहना होगा कि वातावरण में बढ़ रहे कार्बन और ग्रीन हाउस गैस प्रभावों के कारण ऋतुओं का चक्र गड़बड़ा रहा है, और इसकी की दुखद परिणति है- मौसमों का चरम। गरमी में भीषण गर्मी तो ठंड के दिनों में कभी बेतहाशा जाड़ा तो कभी गरमी का अहसास। बरसात में कभी सुखाड़ तो कभी अचनाक आठ से दस सेमी. पानी बरस जाना। संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट तो ग्लोबल वार्मिग के चलते धरती का तापमान ऐसे ही बढ़ा तो समुद्र का जल स्तर बढ़ेगा और उसके चलते कई शहरों पर डूब का खतरा होगा। खतरा महज समुद्र तटों के शहरों पर ही नहीं होगा , बल्कि उन शहरों को भी डुबा सकता है जो ऐसी नदियों के किनारे हैं, जिनका पानी सीधे समुद्र में गिरता है।

तय है कि आने वाले दिन शहरों के लिए सहज नहीं हैं, यह भी तय है कि आने वाले दिन शहरीकरण के विस्तार के हैं, तो फिर किया क्या जाए? एक तो जिन शहरी इलाकों में जल भराव होता है, उसके जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। दूसरा, किसी भी इलाके में प्रति घंटा अधिकतम बरसात की संभावना का आकलन कर वहां से जल निकासी के अनुरूप ड्रेन बनाए जाएं। यह भी अनिवार्य है कि सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई में शहरीकरण-जलवायु परिवर्तन और जल निकासी पर नये सिरे से पाठ्यक्रम तैयार हों और इन विषयों के विशेषज्ञ तैयार किए जाएं। आम लोग और सरकार कम से कम कचरा फैलाने पर काम करें। पॉलीथिन पर तो पूरी तरह पाबंदी लगे। शहरों में अधिक से अधिक खाली जगह यानी कच्ची जमीन हो, ढेर सारे पेड़ हों। शहरों में जिन स्थानों पर पानी भरता है, वहां उसे भूमिगत करने के प्रयास हों।

विचार मंथन

आतंक का खात्मा

ओसामा बिन लादेन के बाद अल कायदा प्रमुख बना अयमान अल जवाहिरी भी मारा गया। लादेन के साथ मिलकर जवाहिरी 9/11 के आतंकवादी हमलों की योजना बनाने वालों में प्रमुख था और 2001 से ही अमेरिका के निशाने पर था। 21 साल बाद उसका पता लगाया जा सका और 71 वर्षीय जवाहिरी को अमेरिका ने अफगानिस्तान के काबुल में एक ड्रोन हमले में मार गिराया। यद्यपि उसके सिर पर 2.5 करोड़ डॉलर का इनाम था लेकिन जवाहिरी अल कायदा के प्रमुख के रूप में कभी बहुत प्रभावशाली नहीं रहा। इस्लामिक स्टेट (आईएस) के उभार ने जवाहिरी और अल कायदा का कद काफी छोटा कर दिया था। 2011 में अरब जगत में हुई कथित क्रांतियों ने इसमें प्रमुख भूमिका निभाई क्योंकि इनमें अल कायदा जैसे संगठनों को कोई भाव नहीं मिला। लादेन की मौत के बाद अल कायदा पहले ही कमजोर हो गया था। जवाहिरी प्रशिक्षित सर्जन था और लोग उसे डॉक्टर जवाहिरी के रूप में भी जानते थे। 1993 में मिस्र में इस्लामिक जिहाद में हिस्सा लेने के बाद वह पाकिस्तान चला गया और वहां बतौर डॉक्टर उन अफगान लड़ाकों का इलाज करने लगा जो सोवियत रूस के खिलाफ लड़ रहे थे। इस दौरान उसकी दोस्ती बिन लादेन के साथ हुई। दोनों ने मिलकर अल कायदा की स्थापना की और आतंक की दुनिया पर छा गए। 2011 में लादेन के मारे जाने के बाद उसने अल कायदा की कमान संभाली और वीडियो जारी कर दुनिया को धमकाता रहा। वर्षों तक यह माना जाता रहा कि अल जवाहिरी पाकिस्तान या अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। लोग उसे भूलने लगे थे और सोमवार (1 अगस्त) को जो बाइडेन के अल जवाहिरी के मारे जाने के ऐलान के बाद काफी अर्से बाद अल जवाहिरी का नाम फिर सुतखयों में आया। 25 जुलाई को बाइडेन ने जवाहिरी को निशाना बनाने की मंजूरी दी थी और 31 जुलाई को काबुल स्थित उसके निवास पर दो मिसाइलें दागी गई। तब जवाहिरी मकान की बालकनी में टहल रहा था। हमले के लिए हेलफायर आर9एक्स मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ जिसके लिए वॉरहेड की जरूरत नहीं पड़ती, इससे धमाका भी नहीं होता है। इसमें रेजर जैसे छह ब्लेड होते हैं, जो निशाने के चीथड़े कर डालते हैं। यह मिसाइल इतना सटीक हमला करती है कि घर में मौजूद जवाहिरी के परिवार वालों को कोई क्षति नहीं पहुंची। जिसने आतंकी हमलों में 3000 से ज्यादा लोगों के चीथड़े उड़ाए, उसकी ऐसी मौत को यही कह सकते हैं-जैसे को तैसा।

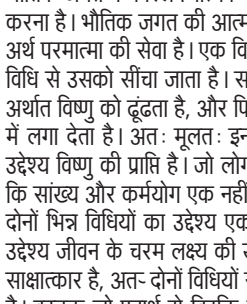

अलकायदा को झटका

सिध्दार्थ शंकर

अमेरिका ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अलकायदा सरगना अल जवाहिरी को एक ड्रोन स्ट्राइक में मार गिराया है। अल-जवाहिरी को मार गिराने के लिए बैठकों का लंबा दौर चला। एक जुलाई को ही सीआईए अधिकारियों के साथ बाइडन की बैठक में पूरा प्लान तैयार हुआ था। अमेरिका को शक था कि जवाहिरी या तो पाकिस्तान के कबायली इलाके या फिर अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। पिछले कई सालों से अमेरिकी सरकार को एक ऐसे आतंकी नेटवर्क के बारे में जानकारी मिल रही थी, जिसका समर्थन अल-जवाहिरी कर रहा था। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसी को काबुल में अलकायदा की उपस्थिति के संकेत व सबूत मिल रहे थे। इसी साल अमेरिकी अधिकारियों को पता चला कि जवाहिरी की पत्नी व बच्चे काबुल स्थित एक घर में रहते हैं। इसी जगह पर जवाहिरी के होने की पहचान की गई। अगले कुछ महीनों में सुरक्षा अधिकारियों ने इस बात को और पक्का किया कि पहचान किया जाने वाला शख्स अलकायदा चीफ अल-जवाहिरी ही है। इसके बाद अप्रैल से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को इस पूरे मामले की ब्रीफिंग शुरू कर दी गई।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन राष्ट्रपति जो बाइडेन को भी जानकारी दी। सीआईए ने जवाहिरी के घर के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दी। घर कैसे बना है। वहां पर आने-जाने के कितने रास्ते हैं। इसकी विस्तृत जानकारी इकट्ठा की गई। जिससे मिशन को अंजाम देते वक्त जवाहिरी के परिवार व अन्य नागरिकों को कोई नुकसान न पहुंचे। 25 जुलाई को इस मिशन को अंजाम देने के लिए अंतिम बैठक हुई। इसमें राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सटीक ड्रोन हमले(जिसमें नागरिकों को कम से कम नुकसान हो) की अनुमति दी। 31 जुलाई, रविवार को सीआईए को अल-जवाहिरी घर की बालकनी में दिखा। इसके बाद ड्रोन से हमला कर उसे मार गिराया गया। यह 11 नवंबर 2001 को हुए हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में एक और कदम है। अलकायदा एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन है। इसकी स्थापना आतंकवादी ओसामा बिन लादेन और अब्दुल्लाह आजम ने 1988 में की थी। बताया जाता है कि ये संगठन तब बनाया गया था, जब अफगानिस्तान में सोवियत संघ के सैनिक दाखिल हुए थे। इस संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो), यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमरीका, यूनाइटेड किंगडम, भारत, रूस और कई देशों ने आतंकवादी समूह करार दिया है। अलकायदा के पास 20 हजार से अधिक लड़ाके हैं और यह संगठन 60-65 देशों में मौजूद है। अलकायदा की संपत्ति की बात करें तो अलकायदा के पास 150 मिलियन डॉलर यानी लगभग 1200 से 1500 करोड़ तक का फंड है। यह संगठन इसका इस्तेमाल दूसरे देशों में आतंक फैलाने और लड़ाकों को ट्रेनिंग करने पर करता है। अलकायदा को ओसामा-बिन-लादेन ने ही शुरू किया था। 10 मार्च 1957 को इसका जन्म सऊदी अरब के रियाद शहर में हुआ था। ओसामा के पिता मोहम्मद अवाद बिन लादेन एक अमीर बिल्डर थे। अवाद बिन लादेन के 52 बच्चे थे और ओसामा 17वें नंबर पर था। पिता की 1968 में मौत हो गई। तब ओसामा 11 साल का था और उसे विरासत में आठ करोड़ डॉलर की राशि मिली थी। उस दौरान वह स्कूल में पढ़ाई कर रहा था। बाद में उसने सऊदी अरब के शाह अब्दुल्ला अजीज विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। ओसामा बिन लादेन के मारे जाने के बाद अलकायदा प्रमुख की कुर्सी अयमान अल-जवाहिरी ने संभाल ली। अयमान अल-जवाहिरी की उम्र 71 साल है। इसने भी ओसामा के मरने के बाद भारत, अमेरिका समेत कई देशों में आतंकी हमले करवाए। इसका जन्म 1951 में गिजा में हुआ था। जवाहिरी ने मेडिकल की पढ़ाई की थी। अभी इसकी तलाश दुनियाभर की कई एजेंसियां कर रहीं हैं। कहा जाता है कि अलकायदा को अभी पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, ईराक, कुवैत जैसे देशों से फंडिंग मिलती है। सऊदी में मेडिकल की पढ़ाई के दौरान उसकी मुलाकात अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन से हुई थी। फिर दोनों के बीच दोस्ती गहरी हो गई। लादेन अपने संगठन को बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के पेशावर गया था और इस दौरान अल जवाहिरी भी उसके साथ था। यहीं से दोनों आतंकियों के बीच रिश्ता और मजबूत होने लगा। इसके बाद 2001 में अल जवाहिरी ने अपने संगठन का अलकायदा में विलय कर लिया। अलकायदा को ओसामा-बिन-लादेन ने ही शुरू किया था। 10 मार्च 1957 को इसका जन्म सऊदी अरब के रियाद शहर में हुआ था। ओसामा के पिता मोहम्मद अवाद बिन लादेन एक अमीर बिल्डर थे। अवाद बिन लादेन के 52 बच्चे थे और ओसामा 17वें नंबर पर था। पिता की 1968 में मौत हो गई। तब ओसामा 11 साल का था और उसे विरासत में आठ करोड़ डॉलर की राशि मिली थी। उस दौरान वह स्कूल में पढ़ाई कर रहा था। बाद में उसने सऊदी अरब के शाह अब्दुल्ला अजीज विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान ओसामा बिन लादेन कट्टरपंथी इस्लामी शिक्षकों और छात्रों के संपर्क में आया। इसके बाद वह 1979 में मुजाहिदीन नाम से पहचाने जाने वाले लड़ाकों की मदद के लिए अफगानिस्तान गया। लादेन एक गुट का मुख्य आर्थिक मददगार बन गया, जो बाद में अल कायदा कहलाया। 1989 में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के हटने के बाद लादेन अपनी कंस्ट्रक्शन कंपनी के लिए वापस सऊदी अरब लौट गया। यहां उसने अफगान युद्ध में मदद के लिए फंड जुटाना शुरू किया। यहीं से अलकायदा वैश्विक गुट बन गया।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अत- दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुत- जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अत- वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अत- निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

देश के उपराष्ट्रपति

राष्ट्र निर्माण में रहा रचनात्मक योगदान

आर.के. सिन्हा

भारत के अगले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बनेंगे या मार्गरेट अल्वा? इस सवाल का उत्तर देश को आगामी 6 अगस्त को होने वाले उपराष्ट्रपति के चुनाव के नतीजे आने के बाद मिल जाएगा।

अब तक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. जाकिर हुसैन, वी.वी. गिरि, गोपाल स्वरूप पाठक, बी.डी.जत्ती, एम. हिदायतउल्ला, आर. वेंकटमण, डॉ. शंकरदयाल शर्मा, डॉ. के. आर. नारायणन, कृष्ण कांत, भैरों सिंह शेखावत, हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू को देश के उपराष्ट्रपति बनने का गौरव मिला।

भारत के पहले उपराष्ट्रपति थे डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन। उन्होंने उपराष्ट्रपति रहते हुए राष्ट्र निर्माण में रचनात्मक योगदान दिया। उन्हीं की पहल पर राजधानी को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) मिला था। डॉ. राधाकृष्णन ने 1958 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु से इच्छा जताई थी कि राजधानी में कोई इस तरह की जगह बन जाए जिधर पढ़ने-लिखने की दुनिया से जुड़े लोग मिल-बैठ करते रहें। उनकी सलाह नेहरू को पसंद आ गई।

उन्होंने बिना देर किए शहरी विकास मंत्रालय को निर्देश दिए किए कि वह एक प्लॉट अलॉट करे। नेहरू के निर्देश के बाद देरी होने का सवाल ही नहीं था। तब लोधी गार्डन से सटा 4.76 एकड़ का प्लॉट आईआईसी के लिए अलॉट किया गया। प्लॉट मिलने के बाद डॉ. राधाकृष्णन ने आईआईसी को खड़ा करने के लिए वित्त मंत्री डॉ सी.डी. देशमुख, प्रो. एच.एन. कुंजरू, प्रो. हुमायूं कबीर (जॉर्ज फर्नांडिस के ससुर), दिल्ली स्कूल ऑफ इक्नोमिक्स के डायरेक्टर डॉ वीकेआरवी राव वगैरह को जोड़ा। इसका डिजाइन तैयार किया महान आर्किटेक्ट जोसेफ एलेन स्टाइन ने। इसके लाजवाब डिजाइन ने उन्हें खूब ख्याति दिलवाई। स्टाइन साहब ने आईआईसी में जालियों और छज्जों को जगह दी।

अंसारी साहब से पहले डॉ. जाकिर हुसैन तथा मोहम्मद हिदायतुल्लाह देश के मुस्लिम समाज से आने वाले उपराष्ट्रपति बने थे। दोनों की शानदार शख्सियत थी। डॉ. जाकिर हुसैन चोटी के शिक्षाविद् और स्वाधीनता सेनानी भी थे। इन दोनों की भारत के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के प्रति आस्था गहरी और निर्विवाद थी पर अंसारी साहब अपने को पहले मुसलमान साबित करने में लगे रहते हैं। मोहम्मद हिदायतुल्लाह 53 साल की आयु में सुप्रीम कोर्ट के जज बने। उन्हें 28 फरवरी, 1968 को देश का चीफ जस्टिस बनाया गया था। वे देश के 1979 से 1984 तक उपराष्ट्रपति रहे। इस दौरान राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह जब इलाज के लिए अमेरिका गए तो उन्होंने 6 अक्टूबर, 1982 से 31 अक्टूबर, 1982 तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में भी काम किया। वे बेहद सुलझे हुए इंसान थे। सारा देश उनकी विद्वता को स्वीकार करता था। यहां पर भैरों सिंह शेखावत के उपराष्ट्रपति काल का जिक्र करना समीचिन रहेगा। वे जब उपराष्ट्रपति थे तब उपराष्ट्रपति आवास के गेट आम-खास सब के लिए खुले रहते थे।

भैरों सिंह शेखावत 19 अगस्त, 2002 से 21 जुलाई, 2007 तक उपराष्ट्रपति रहे। वे राजस्थान के मुख्यमंत्री भी रहे। भैरों सिंह शेखावत का जन्म तत्कालीन जयपुर रियासत के गांव खाचरियावास में हुआ था। यह गांव अब राजस्थान के सीकर जिले में है। शेखावत को मित्रों के बीच रहना पसंद था। वे किस्सागो इंसान थे। उनके पास मिलने वालों की भीड़ कभी कम नहीं होती थी। गर्मागर्म चाय पिलाकर वे अतिथियों से विस्तार से वार्तालाप करते थे। गंभीर राजनीति हो या तनाव के लम्हे, शेखावत हास्य के क्षण ढूंढ लेते थे। ये उनकी जीवटता की खुराक थी। उनके दोस्त सभी दलों में थे, शायद सभी दिलों में भी। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति रहे भैरों सिंह शेखावत राजस्थान की सियासत में ऐसे वटवृक्ष थे जिनकी छांव एक बड़ा दायरा बनाती थी। उनके विरोधी तो थे, मगर शत्रु कोई नहीं। वो खुद भी कहते थे, 'मैं दोस्त बनाता हूं..दुश्मन नहीं।'

देश के निवर्तमान उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी उपराष्ट्रपति पद को गरिमा प्रदान की। उनकी छवि भी एक 'आंदोलनकारी' की रही। वे 1972 में 'जय आंध्र आंदोलन' के दौरान पहली बार सुर्खियों में आए थे। उन्होंने इस दौरान नेल्लोर के आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए विजयवाड़ा से आंदोलन का नेतृत्व किया। छात्र जीवन में उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की विचारधारा से प्रभावित होकर आपातकालीन संघर्ष में हिस्सा लिया। आपातकाल के विरोध में सड़कों पर उतर आए और उन्हें जेल भी जाना पड़ा। वे बेहतरीन मेजबान भी हैं। सबसे खूब प्रेम से मिलते-जुलते हैं। उपराष्ट्रपति के रूप में भी उनका कार्यकाल शानदार रहा। वे अपनी बात कहने से कभी पीछे नहीं हटते। वेंकैया नायडू उपराष्ट्रपति पद से मुक्त होने के बाद अपने संतुलित और सकारात्मक विचारों से निश्चित रूप से देश का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

डीएवी स्कूल-3 के बच्चों ने मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार

Faridabad/Alive News

एनआईटी तीन स्थित डीएवी स्कूल में रक्षा बंधन का त्यौहार मनाया गया। इस दौरान एलकेजी से द्वितीय कक्षा की छात्राओं ने एक से बढ़कर एक राखियां पेश की और छात्रों की कलाई में राखियां बांधी। इसके अलावा स्कूल में भाई बहन के सम्मान में विशेष सभा और 'राखी मेकिंग एक्टिविटी' का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डीएवी स्कूल की प्रिंसिपल ज्योति दहिया ने कहा कि यह त्योहार भाई-बहन के प्यार व विश्वास का प्रतीक है। बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांध कर उनकी लंबी आयु व समृद्धि की कामना करती हैं। वहीं भाई अपनी बहन को हर मुसीबत से बचाने व उसकी रक्षा करने का वचन देते हैं। रक्षा बंधन का त्यौहार मनाते हुए छात्राओं ने छात्रों की आरती उतारी व उनकी कलाई पर राखी बांधी और स्कूल में बच्चों ने रंग-बिरंगी राखियां बनाई।

Students celebrated 75th Independence Day with pomp in DAV School

Faridabad/Alive News

In DAV School of NIT 3, Independence Day program was organized with pomp under the Amrit Mahotsav of Azadi. During this, a beautiful cultural program was presented by the students.

Students of class 5th to 12th participated in this program. Dr. Satish Ahuja, former principal, school manager and advocate JS Bhadana attended the program as the chief guest. In this program the students of class 9th to 12th presented national songs and poems. Class 5 students danced, class 6 to 8 students presented medleys, poems.

On this occasion, the Principal of DAV School, Jyoti Dahiya, while addressing the students said that all the students should work in the interest of the country. It is expected from the students of the country that in future they will build a happy future and will bring laurels to their parents by leading the country in every field.

सोनी स्कूल के बच्चों ने तिरंगा रैली निकाल लोगों को किया जागरूक

Faridabad/Alive News

डबुआ कॉलोनी स्थित सोनी पब्लिक स्कूल में हर घर तिरंगा अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली में स्कूल के चेयरमैन अमित जैन एडवोकेट, स्कूल का स्टाफ रेखा, पूजा, निधि, विजेश, राम जन्म, बच्चे के साथ नव प्रयास संस्था के अध्यक्ष सुनील यादव, जेडीयू के सचिव सचिन तंवर, भुवनेश्वर हिन्दुस्तान, अवधेश कुमार ओझा, मनीष शर्मा, संतोष कुमार, अजय कुमार, साहिल गर्ग, पंकज जैन आदि सम्मलित थे।

बच्चो ने हर घर तिरंगा, भारत माता की जय, वंदे मातरम आदि नारे लगाए और रैली निकाली। सभी लोगों ने हाथो में तिरंगा लिया हुआ था और पंपफ्लैट बाटकर लोगों को जागरूक किया। यह रैली सोनी पब्लिक स्कूल से शुरू होकर 33 फुट रोड होते हुए, पुरानी पुलिस चौकी रोड, डाक खाना, टीले आदि से होते हुए वापिस स्कूल परिसर में आकर समाप्त हुई।

इस दौरान स्कूल के चेयरमेन अमित जैन ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा हमारे देश की बान शान है। देश की आजादी पर लोगों को गर्व होना चाहिए। हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाएं। जिससे देश सेवा और समर्पण का जज्बा हम सब में कायम हो।

'हर घर तिरंगा' अभियान के सफल आयोजन के लिए स्कूली बच्चों ने निकाली जागरूकता साईकिल रैली

Faridabad/Alive News

भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले समारोह 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' में **अशोक मेमोरियल पब्लिक स्कूल** में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसका प्रमुख आकर्षण 6 अगस्त को होने वाली साइकिल रैली थी। उत्साहपूर्ण वातावरण में यह रैली विद्यालय से प्रारंभ होते हुए सेक्टर-37 और सराय तक गई। इसमें लगभग 125 बच्चों ने भाग लिया। इसके लिए हर विद्यार्थी अत्यंत उत्साहित था। इस रैली के द्वारा विद्यार्थियों ने आम जन को देश की आन बान और शान राष्ट्रीय ध्वज 'हर घर तिरंगा' अभियान से अवगत कराया और जन-मानस को स्वयं के माध्यम से देश की आज़ादी के लिए और सुरक्षा के लिए दी गई शहादत पर शहीदों की याद में देश से जोड़ने का प्रयास किया। साइकिल रैली को प्रधानाचार्या ममता सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

80 प्रतिशत भुगतान करने के बाद भी एडल डिवाइन सोसायटी के लोग पजेशन को लेकर सड़क पर, सरकार से लगा रहे मदद की गुहार

Faridabad/Alive News

सेक्टर- 76 ग्रेटर फरीदाबाद की एडल डिवाइन कोट हाईराइज सोसायटी के लोग को पिछले कई साल से पजेशन न मिलने के कारण रविवार को सेक्टर- 12 खेल परिसर पहुंचे और बिल्डर के खिलाफ अपना रोष व्यक्त किया।

एडल डिवाइन सोसायटी के लोगों का कहना है कि उनका पजेशन का मामला पिछले कई सालों से एनसीएलटी कोर्ट में विचाराधीन है। लेकिन अब सोसायटी के लोग चाहते है कि केस की सुनवाई फास्टट्रैक कोर्ट में की जाए, ताकि उन्हें जल्द पजेशन मिल सकें। आगे लोगों ने बताया कि फ्लैट के पजेशन को लेकर बिल्डर ने बड़े बड़े दावे किए थे और अब बिल्डर ने उनके साथ धोखा किया है और बिल्डर ने अपने आपको दिवालिया घोषित कर लिया है। बिल्डर के दिवालिया होने से अब उन्हें फ्लैट मिलने की आस भी कम हो गई है। लोगों ने कहा कि सरकार हस्तक्षेप कर मामले पर संज्ञान लें और जल्द उचित कार्यवाही कर उन्हें मालिकाना हक दिलाए। वरना, वह लोग धरना देने के लिए मजबूर होगें।

सेक्टर- 76 में ऐरा बिल्डर ने ऐरा हाईराइज तथा लॉ राइज नामक दो प्रोजेक्ट लॉच किए। बाद में बिल्डर ने ऐरा का नाम बदलकर एडल लैंडमार्क सोसायटी रख लिया। बिल्डर ने लॉ राइज सोसायटी का निर्माण कार्य पूरा कर दिया। लेकिन वहां मूलभूत सुविधाओं की काफी कमी रही। इसके बाद लॉ राइज

सोसायटी में लोगों ने बिना पजेशन लिए रहना शुरु कर दिया, परंतु बिल्डर ने हाईराइज का निर्माण कार्य शुरु ही नहीं किया। इसके बाद लोगों ने यहां स्वंय ही नींव ड़ाली और काम शुरु किया, परन्तु फंड की कमी की वजह से काम पूरा नहीं हो सका। लोगों ने बताया कि बिल्डर ने 2012 में प्रोजेक्ट लॉन्च किया तथा 2015 तक पजेशन देने का वायदा किया। 2018 में बायर्स ने एनसीएलटी में केस डाला, लेकिन केस अभी तक विचाराधीन है। बिल्डर ने प्रोजेक्ट में 1500 फ्लैट्स बनाकर देने का वायदा किया था जिसमें से करीब 850 बायर्स ने फ्लैट खरीदे हुए है।

लोगों के मुताबिक बिल्डर की ओर से यहां फ्लैट्स की कीमत करीब 35 से 40 लाख रुपए रखी गई थी, जिसमें फ्लैट्स के लिए करीब 80 से 85 प्रतिशत लोग भुगतान कर चुके है। लोगों ने बैंक लोन लेकर, कर्ज लेकर तथा मेहनत की गाढ़ी कमाई देकर फ्लैट खरीदे थे, लेकिन बिल्डर की ओर से लोगों को पजेशन नहीं दिया गया, ऐसे में लोग अपने आप को ठगा हुआ समझ रहे हैं।

क्या कहना है लोगों का

बैंक लोन लेकर फ्लैट बुकिंग कराई थी। यही नही फ्लैट के लिए बिल्डर को 27 लाख पेमेंट भी कर दी। उसके बाद जब पजेशन लेने का समय आया तो बिल्डर ने अपने आप को दिवालिया घोषित कर दिया। अभी भी बैंक की किस्त दे रहे है। ऐसे में ना सरकार हमारी मदद कर रही है और ना ही एनसीएलटी कोर्ट से कोई राहत मिली है।

-संजीव कसाना, फ्लैट खरीददार।

बिल्डर ने दो साल में पजेशन देने का वायदा किया। अब दस साल बीत गए है, ना फ्लैट मिला, ना ही पजेशन मिला और ना ही बिल्डर पर कोई कार्यवाही हुई। ऐसे में हमारी जिदंगी की गाढ़ी कमाई डूबती नजर आ रही है। इसलिए हम चाहते है कि सरकार इस मामले में संज्ञान ले और एक कमेटी गठित कर बिल्डर के खिलाफ जांच कवाकर जल्द से जल्द फ्लैट बनवाकर हमें हमारा पजेशन दें।

-गोपचंद शर्मा, फ्लैट खरीददार।

डाक कर्मियों के हड़ताल पर जाने से कार्यालय में कामकाज रहा ठप, ग्राहकों की बढ़ी परेशानी

Faridabad/Alive News

बुधवार को फरीदाबाद डाक विभाग के कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर सांकेतिक हड़ताल पर रहे। कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने के कारण जिले के लगभग सभी डाक घरों में सुबह से काम काज ठप रहा। कर्मचारियों ने सुबह बी.के चौक पर एकत्रित होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हड़ताल के कई डाक घरों पर ताला लटका रहा। इससे सबसे ज्यादा ग्राहकों को परेशानी झेलनी पडी।

हड़ताल ने बढ़ाई ग्राहकों की परेशानी

कर्मचारियों की हड़ताल के चलते केवल एनआईटी-5 और मुख्य डाक कार्यालय पर रुपए जमा कराने पहुंचे ग्राहकों और पार्सल भेजने पहुंचे ग्राहकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। इस दौरान इन दोनो डाकघरों में लोग डाक भेजने के लिए लंबी कतारों में घंटो खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। कर्मियों के हड़ताल पर रहने के कारण डाक नही बांटे गए, जिससे कार्यालय में डाक का ढेर लगा हुआ है।

मोहरम की छुट्टी ने समय किया बर्बाद

पार्सल भेजने आए ग्राहक पुष्पेंद्र, रोहित ने बताया कि मंगलवार को मोहाराम की छुट्टी थी। जिसके कारण कल भी बिना पार्सल भेजे डाकघर से लौटना पड़ा था। आज कर्मचारी हड़ताल पर है। इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। कई डाकघरों पर ताला लटका हुआ है। केवल दो ही डाकघरों में केवल पार्सल लिए जा रहे है और वहां भी लोगों की बहुत भीड़ लगी हुई है। ऐसे में पता नही आज भी वह पार्सल भेज पाएंगे या नहीं।

निजीकरण का कर रहे विरोध

डाक विभाग के कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में मोर्चा खोला हुआ है। उसी कड़ी में आज देशभर के डाक कर्मचारी अपने-अपने कार्यालयों में धरना देकर रोष प्रकट किया। कर्मचारियों का कहना है कि सरकार अब डाकघरों का भी निजीकरण करने जा रही है जो वह बिल्कुल भी नहीं होने देंगे। विभाग व सरकार डाकघर की सभी छोटी बचत योजनाओं को इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक लिमिटेड को सौंपने जा रही है। 1 अक्टूबर 2018 को स्थापित हुए इस बैंक का घाटा बढ़कर 31 मार्च 2021 की बैलेंस शीट रिपोर्ट के अनुसार 821 करोड़ हो गया है।

घर-घर तिरंगा महोत्सव तरुण निकेतन स्कूल और नर्चर फाउंडेशन ने मनाया

Faridabad/Alive News

मंगलवार को घर-घर तिरंगा महोत्सव का आयोजन तरुण निकेतन पब्लिक स्कूल तथा नर्चर फाउंडेशन के द्वारा किया गया। जिसके अंतर्गत तरुण निकेतन विद्यालय में ध्वजारोहण किया गयाा। इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर पुलिस इंस्पेक्टर व नेशनल रेसलर नेहा राठी, डॉक्टर विंध्या गुप्ता, पारस भारद्वाज, रिटायर्ड विंग कमांडर एडवोकेट के. एस. भाटी, एडवोकेट दुष्यंत शर्मा (डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट ताइक्वांडो एसोसिएशन), एडवोकेट जे.पी.भाटी (महासचिव, राजपूत सभा जिला फरीदाबाद),

अनशनकारी बाबा रामकेवल शामिल रहे। इस कार्यक्रम में स्कूल के डायरेक्टर कमल सिंह तंवर, चैयरमेन हिमांशु तंवर, प्रधानाचार्या रंजना सोबती, उप प्रधानाचार्या राधा चौहान, समस्त अध्यापक गण तथा विद्यार्थी भी शामिल रहे। इस अवसर पर नेहा राठी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सभी ने सस्वर लय में 'राष्ट्रीय गान' गाया और 'जय हिंद' व 'भारत माता की जय' के नारों से विद्यालय का प्रांगण गूंज उठा।

इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा रैली का आयोजन किया गया। इस तिरंगा यात्रा में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। रैली को दो भागों में विभाजित किया गया। विद्यार्थियों का एक समूह पल्ला क्षेत्र पहुंचा तथा दूसरा समूह सेहतपुर बांध रोड क्षेत्र में गया।

तिरंगा यात्रा के द्वारा लोगों के घर-घर जाकर 15 अगस्त तक तिरंगा फहराने की अपील की और देश प्रेम का संदेश दिया। इसके अंतर्गत नर्चर फाउंडेशन की अध्यक्ष राधा चौहान, सदस्य सवितुरदेव, तुलसी चौहान तथा नीरु उपाध्याय, प्रधानाचार्या रंजना सोबती, अध्यापकगण तथा विद्यार्थियों ने पल्ला सेहतपुर बांध रोड क्षेत्र में बड़, पीपल तथा जामुन के पौधे लगाए। कुछ छात्रों ने पौधों को गोद लेकर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी ली।

आशियाना ना मिलने से नाराज लोगों ने बिल्डर के खिलाफ किया प्रदर्शन

Faridabad/Alive News

सेक्टर-76 स्थित एडल हाईराइज के बिल्डर्स को पूरे भुगतान के बावजूद फ्लैट न मिलने से नाराज खरीदारों ने रविवार सुबह एकत्र होकर प्रदर्शन किया। बूंदाबांदी के दौरान छतरिया लेकर प्रदर्शन करते लोगों ने बिल्डर्स के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एडल हाईराइज के करीब 1200 से खरीदार 12 सालों से अपने घर की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन एवं सरकार से बिल्डर पर दबाव बनाकर सोसायटी का कार्य पूरा कराने व उनकी पजेशन दिलाने की मांग की है, ताकि वे अपने सपनों के आशियाने में रह सकें। एडल हाईराइज के करीब दो हजार खरीदार 12 वर्षों से अपने घर का प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसमें 1200 सामान्य श्रेणी के फ्लैट हैं, जबकि 800 ईडब्ल्यूएस श्रेणी के फ्लैट हैं। आशियाने की आस में बैठे लोगों ने बताया कि कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिनके स्वजन ने फ्लैट बुक कराया था, अब उनका स्वर्गवास होने के बाद अब उनके बच्चे फ्लैट के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

फ्लैटधारकों के अनुसार कोरोना के बाद से आर्थिक स्थितियों में काफी बदलाव आया है। पहले की तुलना में आय कम हुई है, लेकिन हर महीने बैंक के लोन की 25 से 30 हजार रुपये किश्त जा रही हैं। जनप्रतिनिधियों के कार्यालयों एवं निवास स्थान के चक्कर लगाने के बाद भी उन्हें फ्लैट नहीं मिला है। प्रदर्शन में फरीदाबाद के अलावा नोएडा, गुरुग्राम में रह रहे खरीदार भी कंस्ट्रक्शन साइट पर पहुंचे थे। प्रदर्शन कारी फ्लैट खरीदारों का कहना था कि धांधली करके एरा ने एडल को बेच दिया, जबकि नियमानुसार यह संभव नहीं है।

शिवाजी स्कूल में रक्षाबंधन पर किया विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन

Faridabad/Alive News

पर्वतीय कॉलोनी स्तिथ शिवाजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मेंहदी, राखी और पतंग मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। छात्र छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाकर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बुधवार को स्कूल में छात्राओं के लिए मेंहदी और राखी प्रतियोगिता रखी गई और छात्रों के लिए पतंग मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिनमें छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मेहंदी प्रतियोगिता में ममता ने प्रथम, अमृता ने द्वितीय और गौरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही राखी बनाने की प्रतियोगिता में कुमकुम ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा पतंग मेकिंग

प्रतियोगिता में नमन ने प्रथम स्थान और रोहित को दूसरा स्थान मिला।

इस अवसर पर शिवाजी स्कूल के मैनेजर अरुण कुमार ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से बच्चों का मनोबल और आत्मविश्वास ब?ता है। वहीं, बच्चों की प्रतिभा उभरकर सामने आती है और स्कूल बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए समय समय पर ऐसी प्रतियोगिता आयोजित करता रहता है।

सरकार की वादा खिलाफी के विरुद्ध सड़कों पर उतरेंगे सफाई कर्मचारी

Faridabad/Alive News

नगरपालिका कर्मचारी संघ के प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने सरकार पर 10 मई व 28 जून को हुई वार्ताओं में पालिका परिषद नगर निगम के कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल न करने का आश्वासन देने के बाद भी पार्ट वन में लगे कर्मचारियों को 2 अगस्त को मोबाइल पर मैसेज भेज कर जबरन हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल करने का आरोप लगाया है। लेकिन नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा इसका डटकर विरोध करेगा। शास्त्री ने कहा कि गत 2 अगस्त को सरकार द्वारा मोबाइल पर मैसेज भेज कर पालिकाओ, परिषदो, नगर निगमो में पार्ट वन में लगे सफाई कर्मचारियों, सीवर मैन, क्लर्को, चपरासी, ड्राइवर, माली, बेलदार, इलेक्ट्रिशियन, ट्यूबेल चालक एवं हेल्पर, सहायक सफाई निरीक्षक, जेई एवं अन्य तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को ऑफर लेटर भेजते हुए 12 अगस्त तक हरियाणा कौशल रोजगार निगम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के लिए कहा गया है जो वायदा खिलाफी है। इससे पहले भी सरकार ने अग्निशमन विभाग में लगे फायर मैनो, ड्राइवरो आदि को जबरन हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल करने के लिए दबाव बनाया था।

रक्षाबंधन पर बाजार दिखे गुलजार, महिलाओं ने जमकर की खरीदारी

Faridabad/Alive News

रक्षाबंधन के पर्व को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। दुकानों पर एक से बढ़कर एक आकर्षक राखियां सजी हुई हैं। बुधवार को बाजार में सामान्य दिनों के मुताबिक ज्यादा भीड़ दिखाई दी। दुकानों पर उपहार के गिफ्ट पैक खरीदने के लिए भी लोगों की काफी भीड़ लगी रही हैं। ज्वेलर्स की दुकानों में भी चांदी की राखियां बिक रही हैं। जिनके डिजाइन भी लोगों को काफी आकर्षित कर रहे हैं। इसके अलावा बाजार में मेहंदी लगवाने के लिए भी महिलाओं की लंबी कतार दिखाई दी।

रुद्राक्ष और कार्टून रखियो की बढ़ी मांग

बाजारों में इस बार रुद्राक्ष और कार्टून राखियों की डिमांड बढ़ी है। हल्की व आकर्षक लगने वाली राखियां बहनों को ज्यादा पसंद आ रही हैं। छोटे भाईयों के लिए बहने ज्यादातर कार्टून वाली राखी खरीदना पसंद कर रही है और बड़ों के लिए रेशम के धागों की आकर्षक राखियां खरीद रही हैं।

10 से तीन सौ रुपये तक की राखियां

देखने में सुंदर व हल्की राखियों को बहने ज्यादा पसंद कर रही है। बाजार में दस रुपये से लेकर तीन सौ तक की राखियां उपलब्ध हैं। राखियों के पर्व को लेकर बाजार में रौनक बढ़ गई है।

11 तारीख को मनाएंगे रक्षा बंधन

रक्षाबंधन का त्यौहार 2 दिन होने के कारण महिलाओं में एक असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। लेकिन अब वह भी समाप्त हो गई है ज्यादातर महिलाएं 11 अगस्त को सुबह 10 बजे के बाद शुभ मुहूर्त शुरू होने पर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाएगी। बाजार में खरीदारी करने आई महिला बसंती और दीप्ति ने बताया कि रक्षाबंधन का त्यौहार 2 दिन बताया जा रहा है लेकिन सभी सरकारी संस्थानों में और पंचांग के अनुसार रक्षाबंधन 11 अगस्त का है तो वह भी यह त्यौहार 11 अगस्त को ही मनाएंगे।

त्योहार पर पढ़ रहा महंगाई का असर

इसके अलावा महिलाओं ने बताया कि इस बार राखी से लेकर मिठाइयां तक सभी काफी महंगे बिक रहे हैं। दो साल बाद लोग रक्षाबंधन का त्यौहार धूमधाम से सेलिब्रेट कर रहे हैं ऐसे में दूसरी तरफ महंगाई घर का बजट बिगाड़ रही है। जो राखियां पहले 20- 25 में आसानी से मिल जाती थी। वह अब 40-45 की बिक रही है। जीएसटी का असर खाने के सामानों पर तो पड़ ही रहा है अब त्योहार भी महंगाई की मार से नहीं बच पा रहे।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, कई स्कूल हुए बंद

Faridabad/Alive News

शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने विधानसभा के अंदर बताया है कि राज्य के सरकारी स्कूलों में 35,980 पद अध्यापकों के खाली हैं। इसके अलावा सरकार ने 179 प्राथमिक व 17 मिडिल सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया है। हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने कहा है कि जब सरकार ने यह मान लिया है कि सरकारी स्कूलों में हजारों की संख्या में अध्यापकों के पद खाली हैं तो ऐसी हालत में सरकारी स्कूलों की दशा में कैसे सुधार हो सकता है और विद्यार्थियों को गुणात्मक व क्वालिटी शिक्षा कैसे मिल सकती है। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा, संरक्षक सुभाष लांबा ने कहा है कि इतनी संख्या में शिक्षकों के पद पिछले 7 सालों से खाली पड़े हैं। अभिभावक व अध्यापक संगठनों की ओर से कई बार मुख्यमंत्री शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर सभी रिक्त पदों पर अध्यापकों की शीघ्र भर्ती करने, सरकारी स्कूलों में सभी जरूरी संसाधन मुहैया कराने व सरकारी स्कूलों की कंडम व जर्जर हो चुकी बिल्डिंग व कमरों की जगह नए कमरों का निर्माण करने का आग्रह किया गया है। लेकिन सरकार ने सरकारी स्कूलों की दशा में सुधार करने के लिए कोई भी ठोस कार्य नहीं किया है। इसकी जगह टीचर और संसाधनों की कमी से जूझ रहे पुराने स्कूलों को ही मॉडल संस्कृति विद्यालय का नाम देकर अच्छी और क्वालिटी शिक्षा दिलाने का भ्रमित प्रयास किया गया है। मंच का कहना है कि स्कूलों के गेट पर मॉडल संस्कृति विद्यालय का बोर्ड लगा देने से सरकारी स्कूलों की दशा में सुधार नहीं होगा।

DAV NH-3: Little ones gave a Big message on Friendship Day

Faridabad/Alive News

The little DAVians of NH-3 from Classes Nursery to II celebrated the bond of friendship day. students were made aware of the importance of friends in life. On this occasion students were tell why importance of friends in life. The students were also told stories with the moral "A friend in need is a friend indeed" and "sharing is caring". They prepared colourful greeting cards with heartfelt messages expressing the dearness of their friendship with their best friends and exchanged friendship bands, chocolates and wished their friends HAPPY FRIENDSHIP DAY. The day concluded with the students hugging their friends. Here's to a lifetime of friendship!

D.A.V. - 49 School Celebrated Independence Day with Patriotic Fervour

Faridabad/Alive News

Independence Day was celebrated by the Kindergarten Wing at D.A.V. Public School, Sainik Colony, Sector 49 on 6 August. Patriotic fervour marked the celebrations with the theme "Maa tujhe Salaam".

The programme commenced with the prayer sung by the School Choir. It was followed by the presentation of inspiring quotations by the students of UKG that impressed one and all. The budding poets of Kindergarten Wing gave a recital of poems, 'My Mother is My Life'and'Maa. The blossoming DAVites mesmerised the audience with their talent. The well orchestrated programme included other items like rendition of patriotic slogans, which touched the hearts ofall and evoked a feeling patriotism. A dazzling dance performance by a tiny tot enthralled everyone present.

The Principal, B.K. Das addressed the gathering and appealed to take pride in being an Indian and fulfilling one's duty and responsibility towards the nation and the world. The colourlirl cultural programme concluded with the rendition of Shanti Path and the tribute to the nation in the form ofNational Anthem.

जेईई मेंस में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर हिमांशी ने डीएवी एनटीपीसी स्कूल का नाम किया रोशन

Faridabad/Alive News

डीएवी एनटीपीसी स्कूल की छात्रा हिमांशी ने जेईई मेंस में 99.14 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया। गतवर्ष हिमांशी शर्मा ने 12वीं कक्षा में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। हिमांशी की सफलता पर बधाई देते हुए स्कूल की प्रधानाचार्या अलका अरोड़ा ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि हिमांशी बहुत ही परिश्रमी, मेधावी व कर्तव्यनिष्ठ छात्रा है। उसके निरंतर अभ्यास व अथाह परिश्रम का ही फल है। उन्होंने कहा कि हिमांशी भविष्य में अच्छा मुकाम हासिल करेगी तथा अपने विद्यालय और माता पिता का नाम आसमान की बुलंदियों तक पहुंचाएगी। वहीं हिमांशी ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता व स्कूल को दिया है।

FMSians organized "Har Ghar Tiranga Cycle Rally"

Faridabad/Alive News

FMSians and Staff members organized "Har Ghar Tiranga Cycle Rally" to bring awareness on 75years of Indian Independence. The rally commenced from Police line, Sector 30 and proceeded to neighbouring areas of Sector 31. This campaign is under theaegis of Azadi ka Amrit Mahotsav to encourage people to bring the Tiranga home and hoist it. It was a special occasion for the students to turn HAR GHAR TIRANGA campaign into a mass movement by displaying the tricolour on their cycles to commemorate the 75th anniversary of India's Independence. The students spread the feeling of patriotism and inspired people to bring Tiranga home collectively as a nation. The idea behind the initiative is to invoke the feeling of nation building in the hearts of people and promote awareness about the Indian national Flag.

दाखिले में पिछले साल के मुकाबले फरीदाबाद के सरकारी स्कूल पिछड़े

कक्षा पहली और ग्यारहवीं में हुए 2470 कम दाखिल

2021-22 सत्र में सरकारी स्कूल में दाखिले बढ़े थे, क्योंकि उस समय निर्वतमान जिला शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी ने स्वंय कॉलोनी- कॉलोनी और गांव गांव जाकर दाखिले कराने के लिए मुनादी की थी।

Faridabad/Alive News

जिले के सरकारी स्कूलों में पिछले साल के मुकाबले इस साल कक्षा पहली में दाखिलों में काफी कमी आई है। जिले में 29 जुलाई तक हुए दाखिलों के अनुसार पिछले साल के मुकाबले 5 हजार कम दाखिले हुए हैं। हैरत की बात तो यह है कि इस साल पहली कक्षा में कुल 6826 बच्चों ने दाखिला लिया है। जबकि पिछले साल कुल 11775 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया था।

इसके अलावा कक्षा 11वीं में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या में भी कोई खास इजाफा देखने को नही मिला है। इसमें भी पिछले साल के मुकाबले बहुत कम दाखिले हुए है। इस साल सरकारी स्कूल में कक्षा 11वीं में केवल 8407 विद्यार्थियों ने दाखिले लिए है। जबकि 3899 विद्यार्थियों ने दाखिला ही नही लिया है। सरकारी स्कूल में विद्यार्थियों के दाखिले का यह आंकड़े जिला शिक्षा कार्यालय की लापरवाही का नतीजा है। वहीं मंगलवार को हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों की ओर से कम पंजीकरण को लेकर जिला शिक्षा अधिकारियों को फटकार भी लगाई गई। साथ ही स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ाने के सख्त आदेश भी दिए गए।

बता दें, कि 2021-22 सत्र में सरकारी स्कूल में दाखिले बढ़े थे, क्योंकि उस समय निर्वतमान जिला शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी ने स्वंय कॉलोनी- कॉलोनी और गांव गांव जाकर दाखिले कराने के लिए मुनादी की थी। विभाग की ओर से किए गए विशेष प्रयासों के कारण ही पिछले साल सरकारी स्कूलों में दाखिले की संख्या में बढ़ोतरी हुई थी। इस बार भी शिक्षा निदेशालय ने पहले की भांति सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पहली से आठवीं कक्षा तक के लिए नजदीकी इलाकों में जाकर विशेष अभियान चलाने और अभिभावकों को जागरूक कर दाखिला संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। लेकिन जिला शिक्षा अधिकारियों की तरफ से स्कूलों में दाखिले बढ़ाने के लिए अधिकारी कितना प्रयास कर रहे है इसका अंदाजा इस साल सरकारी स्कूलों में हुए दाखिले से लगा सकते है।

क्या कहना है शिक्षा मंत्री का

मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नही है। आपने बताया है तो अब इस बारे में संज्ञान लेंगे और जिले में दाखिले को लेकर अगर कोई लापरवाही मिलती है तो कार्यवाही की जाएगी।

-कंवरपाल गुर्जर, शिक्षा मंत्री हरियाणा।

छात्राओं ने ध्वज बनाकर 'हर घर तिरंगा' अभियान में दिया योगदान

Faridabad/Alive News

एनआईटी तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हर घर तिरंगा के अंतर्गत विद्यालय के सदस्य और छात्राओं ने स्वयं राष्ट्रीय ध्वज बनाएं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने सभी छात्राओं को हर घर तिरंगा अभियान के प्रति जागरूक किया। प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि हर घर तिरंगा आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में लोगों को तिरंगा घर लाने और भारत की आजादी के 75 वें वर्ष को चिह्नित करने के लिए इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक अभियान है। राष्ट्रीय ध्वज के साथ हमारा संबंध हमेशा व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में एक राष्ट्र के रूप में ध्वज को सामूहिक रूप से घर लाना इस प्रकार न केवल तिरंगे से व्यक्तिगत संबंध का एक कार्य बल्कि राष्ट्र-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी बन जाता है। हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा अभियान के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। रविंद्र मनचंदा ने कहा कि अध्यापक संजय मिश्रा, अध्यापिका रेखा, इंदु बाला सहित सभी ने छात्राओं को आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय ध्वज को घर घर फहराने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ने सभी छात्राओं का सुंदर और आकर्षक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा बनाने के लिए सभी छात्राओं का अभिनंदन किया।

डीएवी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

Faridabad/Alive News

डीएवी शताब्दी महाविद्यालय की एनसीसी इकाई द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। देश में आजादी का अमृत वर्ष मनाया जा रहा है। सभी देशवासियों को इस अभियान में शामिल करते हुए देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीयता के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को एक नई पहचान और सम्मान देने के लिए मोदी सरकार नें हर घर तिरंगा अभियान का आगाज किया है।

इस अभियान के अंतर्गत डीएवी शताब्दी महाविद्यालय प्रांगण से दिल्ली के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक तक कैडेट्स द्वारा यात्रा निकाली गई। एन सी सी कैडेट्स द्वारा शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करके यात्रा का समापन किया गया। इस यात्रा को कॉलेज की प्राचार्या डॉ सविता भगत तिरंगा लहरा कर द्वारा रवाना किया।

इस रैली का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स को उन शहीदों के सर्वोच्च बलिदान से अवगत कराना था जिन्होंने आजादी हासिल करने में और उसे बनाए रखने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। इस तिरंगा यात्रा का आयोजन कैप्टन सुनीता के नेतृत्व में किया गया।

विधायक और प्रशासनिक अधिकारियों से बैनर लगाकर सैनिक कॉलोनी के लोगों ने पूछे सवाल

Faridabad/Alive News

मूलभूत सुविधाओं के अभाव में फोन, ईमेल और प्रदर्शन के माध्यम से शिकायत कर थक चुके सैनिक कॉलोनी के लोगों ने क्षेत्र में जगह जगह बैनर लगाएं हैं। लोगों ने बैनर के माध्यम से विधायक पार्षद व निगम कमिश्नर से सवाल किया है कि यदि वह समस्याओं का समाधान नहीं करा सकते तो बताएं कि क्षेत्र के लोग आखिर कहां जाएं।

सैनिक कॉलोनी के लोगों के मुताबिक क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से सीवर पानी और टूटी हुई सड़कें और गलियों में घूमते आवारा पशु लोगों के बीच परेशानी का कारण बनी हुई है। समस्या को लेकर पिछले दिनों निगम मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया है। इसके अतिरिक्त निगम कमिश्नर पार्षद और विधायक को ज्ञापन भी सौंपा गया है लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

सुनवाई नहीं होने पर लगाए पोस्टर

लोगों के मुताबिक क्षेत्र के लोग काफी समय से परेशान हैं। समस्या की सुनवाई न होने से निराश व हताश लोगों ने बृहस्पतिवार को सैनिक कॉलोनी में जगह-जगह पोस्टर लगाकर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सवाल पूछे हैं। इसके साथ ही लोगों ने यह भी पूछा है कि यदि जनप्रतिनिधि समस्या का समाधान नहीं करा सकते तो बताएं हम कहां जाएं?

क्या कहना है पार्षद का

सैनिक कॉलोनी कुछ समस्याएं है, जिनके समाधान की मांग निगम से की गई है। जानकारी मिली है कि फंड नहीं होने से काम नहीं हो रहे हैं। हर समस्या के समाधान के लिए वार्ड की जनता के साथ खड़ा हूं।

-राकेश भड़ाना, निवर्तमान पार्षद, नगर निगम वार्ड-16

मतदाता सूची को आधार कार्ड से लिंक कराएं : जितेन्द्र यादव

Faridabad/Alive News

उपायुक्त कम जिला निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र यादव ने बताया कि वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। चुनाव आयोग की हिदायतों के अनुसार आज से वोटर आईडी कार्ड को आधार से जोड़ने के लिए एक अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य मतदाताओं की पहचान स्थापित करना और मतदाता सूची में प्रविष्टियों को प्रमाणित करने के साथ-साथ उनकी पहचान करना है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पंजीकृत सभी मतदाताओं के आधार कार्ड को मतदाता सूची से लिंक करने का कार्य दिनांक 01-08-2022 से शुरू किया जा चुका है। कोई भी मतदाता ऑनलाइन (NVSP/GARUDA/VHA) ऑफलाईन Form-6B मे अपने आधार कार्ड की सूचना भरके जमा करवा सकता है। आयोग के उक्त कार्य को सम्पन्न करवाने के लिए मुख्यालय के आदेशानुसार जिला स्तर पर लघु सचिवालय के 6th Floor, कमरा नंबर-603 में दिनांक 10-08-2022 को विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक मतदाता अपने आधार

को मतदाता सूची से Form-6B के माध्यम से लिंक करवा सके। अतः आपसे अनुरोध है कि अपने अधीन सभी अधिकारी/कर्मचारियों को उक्त कैम्प में आधार लिंक करवाने के लिए निर्देशित करने का कष्ट करे।

झंडे की वसूली रुकी तो शिक्षा विभाग ने निजी स्कूलों के लिए जारी कर दिया एक और फरमान

Tilak Raj Sharma/Alive News

फरीदाबाद : इन दिनों फरीदाबाद के शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों पर ये कहावत सटीक बैठती है कि ÷खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे÷। ये बात हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी गैर जिम्मेदाराना तरीके से निजी स्कूलों के लिए कार्यालय से फरमान निकाल रहे हैं। जिससे सरकार और उच्च अधिकारियों की जमकर किरकिरी हो रही है। फरीदाबाद शिक्षा विभाग कार्यालय द्वारा झंडे के नाम पर वसूली का फरमान वापिस लेने के बाद अब वर्षों से मान्यता प्राप्त हरियाणा और सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों से वसूली करन के लिए बीते चार अगस्त को एक पत्र भेजकर मान्यता से लेकर प्लेज मनी और स्कूल चलाने वाली सोसायटी की रजिस्ट्रेशन की कॉपी तक को मिलाकर 13 कागजों की डिमांड की जा रही है। जिसके बाद निजी स्कूल संचालकों में खलबली मच गई है।

हालांकि शिक्षा विभाग द्वारा यह कागजात माननीय न्यायालय में विचाराधीन चल रहे निजी स्कूलों के एक मामले को लेकर मांगे जा रहे हैं लेकिन निजी स्कूल संचालक और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोग इसे शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की लूट का हथकंडा बता रहे हैं। पाठकों को बता दें कि फरीदाबाद जिले के इकलौते शिक्षा विभाग कार्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सरकार और जिला उपायुक्त के नाम से झंडे के लिए निजी स्कूलों को दस हजार से लेकर दो लाख रूपये तक की डिमांड पत्र के माध्यम से की गई थी। इस डिमांड का निजी स्कूल संचालकों ने उपायुक्त से लेकर मुख्यमंत्री तक विरोध किया था। विरोध के बाद पता चला कि अकेले फरीदाबाद जिले के निजी स्कूलों से पैसे हड़पने की नियत से विभाग में बैठे अधिकारियों व कर्मचारियों ने मसौदा तैयार किया था। इस डिमांड के लिए न तो जिला उपायुक्त और न ही सरकार की तरफ से लिखित में कोई आदेश दिये गये थे।इस मकसद के फेल होने के बाद अधिकारी और कर्मचारियों ने न्यायालय में विचाराधीन निजी स्कूलों के एक मामले को आधार बनाकर फरीदाबाद के निजी स्कूलों से स्कूल का नाम और पता, स्कूल यूडाइज कोड, प्रिंसिपल का नाम, बोर्ड का नाम, मान्यता की पहली और आखिरी प्रति, एनओसी की प्रति सीबीएसई/आईसीएसई, बोर्ड संबद्धता की प्रति, स्कूल चलाने वाली सोसायटी की रजिस्ट्रेशन, प्लेज मनी की प्रति, फायर एनओसी की प्रति, स्वच्छता प्रमाण पत्र की प्रति, बिल्डिंग सेफ्टी प्रमाण पत्र, स्कूल में बनी कमेटी की एक प्रति को सभी निजी स्कूल संचालकों द्वारा अपने क्लस्टर संसाधन केंद्र (सीआरसी) पर तीन दिनों के अंदर जमा कराने के आदेश पत्र में जारी किये गये हैं।

क्या कहना है निजी स्कूल संचालकों का

पहले शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों से तिरंगे के लिए प्रत्येक बच्चे पर 25 रूपये की मांग की गई थी, फिर उस फैसले को निरस्त कर दिया गया। न्यायालय में विचाराधीन मामले में विभाग से निजी स्कूलों से कुछ कागजात की मांग की गई है। जिसको लेकर शिक्षा विभाग ने सभी निजी स्कूल संचालकों से कागजों की मांग की गई है। यदि उनकी एसो. के किसी मेंबर को कोई समस्या आ रही है तो वह संपर्क कर सकता है।

-नंदराम पाहिल, प्रधान, यूनाइटेड प्राइवेट स्कूल एसो.

शिक्षा विभाग द्वारा मांगे गए कागजात जल्द जमा कर दिये जाएंगे। निजी स्कूल संचालकों को इस संबंध में कोई समस्या आ रही है तो एसोसिएशन उनके साथ है।

-विमल पाल, जिला प्रधान, फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल एसो. हरियाणा।

मानवता ओलंपियाड में प्रतिभागिता के लिए छात्राओं को किया प्रेरित

Faridabad/Alive News

एनआईटी तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विधालय में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के आदेशानुसार सतयुग दर्शन ट्रस्ट ने जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड के सहयोग से विद्यालय की छात्राओं को आठवें अंतरराष्ट्रीय मानवता ओलंपियाड में प्रतिभागिता के लिए प्रेरित किया। सतयुग दर्शन ट्रस्ट से बिंदु एवम उन की टीम के सदस्यों ने सभी छात्राओं को आठवें मानवता ओलंपियाड में प्रतिभागिता के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत करवाया। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि विश्व भर में नैतिक और नैतिक मूल्यों के साथ समृद्ध करके व्यक्तियों, परिवारों और समाज के उत्थान को सुनिश्चित करने के लिए सतयुग दर्शन ट्रस्ट फरीदाबाद अंतर्राष्ट्रीय मानवता ओलंपियाड आयोजित करता है। प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि आत्मसंयम के माध्यम से अच्छे मानव चरित्र और पूर्ण मानव व्यक्तित्व के विकास के महत्व को समझकर एक अच्छा और महान इंसान बन सकता है। सतयुग दर्शन ट्रस्ट ने विद्यालय परिवार को सतयुग दर्शन ट्रस्ट के ध्यान कक्ष सहित सम्पूर्ण परिसर के भ्रमण के लिए आमंत्रित किया है।

जीवा स्कूल के विद्यार्थी बने इन्ट्रैक्ट क्लब के नए सदस्य

Faridabad/Alive News

बुधवार को 21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में इंट्रैक्ट क्लब के इंस्टॉलेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्रों को सदस्य के रूप में चुना जाता है। चुने गए छात्रों में ग्यारहवीं कक्षा की दिशा चंदीला अध्यक्षा चुनी गई, नियति उप-प्रधान तथा सानिध्य सेक्रेटरी, दीपांशु रावत सार्जेंट एट आर्मस, वंश जॉइंट सेक्रेटरी एवं हिमांगी कोषाध्यक्ष चुनी गई और इन्हें इंट्रैक्ट पिन देकर सम्मानित किया गया।

चुने गए छात्रों ने रोटरी क्लब के साथ मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। छात्राओं ने इस अवसर पर एक सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया। जीवा संस्थान के अध्यक्ष मधुसुदन चौहान ने

सभी रोटरी क्लब के सदस्यों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में चयनित विद्यार्थियों को भूतपूर्व उपाध्यक्षा वास्वी ने शपथ दिलाई। भूतपूर्व जेड.आई.आर एवं प्रेसिडेंट अकांक्षा चौधरी ने इस अवसर पर विगत वर्ष की सभी गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। इसके अलावा छात्रों ने स्वदेशी सामान अपनाने के लिए एक सुदंर नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया।

इस मौके पर ऋषिपाल चौहान ने कहा कि बच्चों को इस प्रकार जिम्मेदारी सौंपे जाने से उन्हें अपने दायित्वों का पता लगता है। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जो उन्हें जीवन में सफलता दिलाता है। इससे वे एक जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज और देश की सेवा में अहम भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि रहे प्रेसिडेंट साहिल ग्रोवर, असिस्टेंट गवर्नर दीपक प्रसाद, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी नीरज भूटानी, डिस्ट्रिक्ट विन्स को- चैयरमेन राज भाटिया, क्लब आस्था असिस्टेंट गवर्नर सुनील मंगला, इमिडिएट पास्ट प्रेसिडेंट सुशांत गुप्ता, रोटेरियन करण गुप्ता मौजूद रहें। इसके साथ विद्यालय के उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान, एकेडमिक एंड एक्सिलेंस हेड मुक्ता सचदेव व प्रधानाचार्या अपर्णा शर्मा भी उपस्थित रहीं।

एनजीओ की फाउंडर बच्चा बेचते हुए चढ़ी सीएम फ्लाइंग के हत्थे

Faridabad/Alive News

मंगलवार को मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर एक एनजीओ की संचालक महिला और उसके साथी पवन शर्मा को बच्चा बेचने के मामले में गिरफ्तार किया है।

सूचना के आधार पर उपायुक्त ने राजकुमार एसडीओ सिचाई विभाग फरीदाबाद को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया। कार्यवाही करने के लिए एएसआई सतबीर सिंह मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद, महिला व एएसआई राजेश को फर्जी ग्राहक के तौर पर तैयार करके निसंतान दम्पति बनकर शिशु बेचने वालों से बात करने के लिए कहा गया। जिस पर पवन शर्मा व हिना ने एक लाख रुपये में बच्चा देने की बात तय की। जानकारी के मुताबिक ड्यूटी मजिस्ट्रेट द्वारा उप निरीक्षक सतबीर सिंह को 500-500 रुपये के 4 नम्बरी नोटों

को हवाले करके बीच में सादा कागज की 2 गड्डी तैयार करने बारे कहा व उनके ऊपर नीचे 500-500 रुपये के नोट लगाने बारे कहा गया। रेडिंग पार्टी अलग से तैयार कराई गई। बातचीत के बाद उड़न वेलफेयर ट्रस्ट की फाउंडर हिना माथुर व पवन शर्मा ने एएसआई सतबीर को सर्वोदय अस्पताल सेक्टर 8 के गेट पर बुलाया। एसआई सतबीर सिंह व महिला एएसआई के साथ परिवार के सदस्य के तौर पर राजकुमार एसडीओ कम ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी सर्वोदय अस्पताल साथ गए। अस्पताल की कैंटीन में पवन शर्मा व हिना ने फर्जी ग्राहक व अन्य सदस्यों को अटल पार्क सेक्टर 2 बुला लिया। अटल पार्क के पास जाकर पवन व हिना ने एसआई सतबीर व अन्य से वही रुकने को कहा व स्वयं बच्चे को लेकर आने को बोला। कुछ देर बाद हिना व पवन बच्चे को लेकर मौके पर पहुंचे। ड्यूटी मजिस्ट्रेट व एसआई सतबीर के साथ महिला एएसआई को लाकर बच्चा सौप दिया व पैसे मांगे।

जिस पर सतबीर सिंह द्वारा लिफाफे में रखे पैसे पवन को दिए व रेडिंग पार्टी ने आरोपीयों को मौके पर ही काबू कर लिया। हिना व पवन शर्मा द्वारा गरीब परिवारो को बहला फुसलाकर पैसे के लालच में बच्चे का सौदा करने पर थाना शहर बल्लबगढ़ में जगदीश निरीक्षक मुख्यमंत्री उड़न दस्ता फरीदाबाद द्वारा खबर लिखे जाने तक मुकदमे की कार्यवाही की जा रही थी।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

75 दिवसीय मेगा इवेंट में 'दमामा' नाटक का किया गया मंचन

Faridabad/Alive News

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 75 दिवसीय मेगा इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस इवेंट के तहत शनिवार रात को सेक्टर 12 स्थित एचएसवीपी कंवेंशन सेंटर में नाटक गगन दमामा बाज्यो का मंचन किया गया। नाटक में भगत सिंह के संघर्ष की दास्तान दिखाई गई। इस दौरान जुनेजा फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय जुनेजा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। नाटक गगन दमामा बाज्यो पियूष मिश्रा ने लिखा और शनिवार को आयोजित हुए नाटक का निर्देशन दीपक गर्ग ने किया। नाटक में भगत सिंह के जीवन का संघर्ष दिखाया गया। भगत सिंह इस धरती पर अधिक समय तक जीवित नहीं रहे, लेकिन वह हर भारतीय के दिलों में आज भी जिंदा हैं। नाटक में भगत सिंह की उस सोच को भी शामिल किया गया, जिसमें उन्होंने आज के हिंदुस्तान की कल्पना कर ली थी। भगत सिंह के जीवन के कई पहलूओं को नाटक में दिखाया गया। संभार्य फाउंडेशन के डायरेक्टर अभिषेक देशवाल ने बताया कि इस 75 दिवसीय मेगा इवेंट का समापन 15 अगस्त को होगा। समापन अवसर पर 4 दिन तक लगातार बड़े इवेंट आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि इस वीकेंड पर हुए नाटकों के आयोजन में जिला प्रशासन, हरियाणा कला परिषद और कला व सांस्कृतिक विभाग हरियाणा का सहयोग रहा।

पुष्प अर्पित कर विजय प्रताप ने मनाई गुरु माता की पुण्य तिथि

Faridabad/Alive News

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप रविवार को सूरजकुंड रोड स्थित सिध्दाता आश्रम पहुंचे और गुरु मां की पुण्यतिथि के मौके पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। विजय प्रताप ने गुरु पुरुषोत्तम आचार्य महाराज का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। विजय प्रताप ने कहा कि माता रानी और आश्रम की कृपा सब पर बनी रहती है। गुरुजी के जितने भी भक्त है, उनको निरंतर सत्संग का लाभ मिलता रहे, मेरी यही प्रभु से कामना है। समाज में महापुरुष हमेशा सूक्ष्म रूप में बने रहते है और अपने भक्तजनों पर आशीर्वाद बनाए रखते हैं। विजय प्रताप ने कहा कि सिद्धदाता आश्रम ऋषि मुनियों की तपोभूमि है, यहां पर तप एवं यज्ञ करने से जीवन की तमाम कठिनाइयों से छुटकारा मिलता है।

नगर निगम ने एनआईटी जोन में 20 इकाईयों को किया सील

Faridabad/Alive News

निग्मायुक्त यशपाल यादव ने एनआईटी 1,2,3 और 5 में हो रहे अवैध निर्माणों की शिकायत आने के बाद अधिकारियों के साथ इन क्षेत्रों का निरीक्षण किया और 33 अवैध निर्माण पर बड़ी कार्रवाई की। नगर निगम ने 20 इकाईयों में हो रहे अवैध निर्माणों को सील किया। जिसमें एनआईटी प्रथम जोन की 5 इकाईयां, एनआईटी जोन-2 की 4 इकाईयां, जोन-3 की 5 यूनिट, एनआईटी जोन-2 की 6 इकाईयां जिसमें अवैध निर्माणों को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थी। निगम अधिकारियों ने उनको सील कर दिया। निगमायुक्त ने बताया कि निगम क्षेत्र में किसी प्रकार का अवैध निर्माण नही होने दिया जाएगा। अगर निगम क्षेत्र में कोई भी अवैध निर्माण करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी और ऐसे सभी अवैध निर्माणों को तोड़ने का खर्चा भी नगर निगम निर्माणकर्त्ताओं से वसूला जाएगा। निगम क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

जीवा स्कूल के विद्यार्थियों ने इंडल प्रतियोगिता में हासिल किया प्रथम स्थान

Faridabad/Alive News

सेक्टर 21 स्थित जीवा पब्लिक स्कूल के छात्रों ने एमडीएन स्कूल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए स्कूल अरावली स्कूल की ओर से आयोजित कार्यक्रम टेकब्लिज 2022 में छठे वार्षिक अंतर स्कूल टेक्नोलॉजिकल एक्स्ट्रा वेंगेजा में प्रथम स्थान हासिल किया है। तीसरी कक्षा की छात्रा आराध्या शिंदे और माधव ने डूडल आर्ट में अपनी बुद्धि और रचनात्मक प्रतिभा का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में जिले के लगभग 20 अन्य स्कूलों की छात्राओं ने भी भाग लिया इस स्पर्धा में जीवन स्कूल के छात्रों ने अपने धैर्य का परिचय दिया और तकनीकी कार्य में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

इस मौके पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान और उपाध्यक्ष चंद्र लता चौहान ने दोनों छात्रों को इस उपलब्धि पर विशेष रूप से बधाई दी एवं कंप्यूटर की सभी अध्यापकों की उनके कार्य के लिए प्रशंसा की पहले की एकेडमिक एक्सीलेंस और प्रधानाचार्य अपर्णा शर्मा ने भी छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

टपकती छत के नीचे पढ़ने को मजबूर है मॉडल स्कूल ओल्ड फरीदाबाद की छात्राएं

Shashi Thakur/Alive News

बंदरो का भी बहुत ज्यादा आतंक है।

फरीदाबाद : ओल्ड फरीदाबाद स्तिथ राजकीय प्राथमिक मॉडल स्कूल के भवन का मेंटेनेंस ना होने के कारण छात्राएं टपकती छत और जर्जर भवन में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। बारिश में स्कूल की छत टपकने के कारण स्कूल में अध्यापन कार्य करने वाली कक्षा पहली से पांचवीं तक की छात्राओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश में छत से पानी टपकने के कारण स्थिति और भी बदतर हो गई है। स्कूल प्रिंसिपल के अनुसार वह कई बार इसकी शिकायत जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों को लिखित में दे चुके है। लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

दरअसल, स्कूल की बिल्डिंग अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच गई है। आलम यह है कि मेंटेनेंस के अभाव में स्कूल की छत से पानी टपक रहा है। वही छत का प्लास्टर झड़ रहा, जिसके चलते छात्राओ को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा स्कूल में स्वीपर की कमी के कारण छात्र खुद ही अपनी कक्षाओं की सफाई कर रही है। इसके अलावा स्कूल में कार्यरत शिक्षिका का कहना है कि स्कूल में

स्कूल में पढ़ती है 725 छात्राएं

स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या कुल 725 के आस पास है। लेकिन स्कूल में कक्षाओं की काफी कमी होने के कारण स्कूल को दो शिफ्टों में चलाया जा रहा है। पहली शिफ्ट में कक्षा तीसरी से पांचवीं की छात्राओ की कक्षाएं लगाई जाती है और दूसरी शिफ्ट में कक्षा पहली और दूसरी की छात्राओं की कक्षा ली जाती है। लेकिन दो शिफ्टों में स्कूल चलने के बाद भी स्कूल में करीब सात स्टाफों की कमी है।

टपकते पानी के बीच बनता है भोजन

स्कूल के किचन में छत से टपकते पानी के बीच मिड डे मिल वर्कर भोजन बनाने को मजबूर है। भोजन में पानी टपकने से सारा भोजन खराब हो जाता है। क्योंकि किचन की छत सबसे इस समय सबसे ज्यादा जर्जर है। लेकिन कोई अन्य जगह ना होने के कारण इसी में बच्चों का भोजन तैयार किया जाता है। छत टपकने से भोजन बनाने में मिड डे मिल वर्कर को भी काफी परेशानी हो रही है।

क्या कहना है स्कूल प्रिंसिपल का

स्कूल की बिल्डिंग काफी पुरानी है और मरम्मत न होने के कारण स्कूल की छत टपकने लगी है। जिसके कारण छात्राओं को पढ़ने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा यहां पर स्वीपर और चौकीदार की भी कमी है जिसके कारण कई बार बच्चे अपनी कक्षाएं खुद साफ करते हैं। कक्षाओं की कमी होने के कारण स्कूल को दो शिफ्टों में चलाया जाता है ताकि सभी छात्राएं आकर यहां पढ़ सकें। कई बार शिक्षा विभाग को स्कूल की बिल्डिंग की मरम्मत के लिए शिकायत किया जा चुका है। लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

-रंजीत सिंह, प्रिंसिपल-मॉडल प्राइमरी स्कूल ओल्ड फरीदाबाद।

क्या कहना है ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का

फरीदाबाद जिले में कुल 66 मॉडल संस्कृति स्कूल है। सभी स्कूल प्रिंसिपलों ने स्कूल के मेंटेनेंस के लिए रिपोर्ट बना कर दे दी है। मेंटेनेंस के लिए डिमांड डीपीसी में भेजी जा चुकी है। डीपीसी से ग्रांट मिलने के बाद ही सभी मॉडल संस्कृति स्कूलों की रिपेयरिंग कराई जाएगी।

-मनोज मित्तल, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप के नेतृत्व में निकली विशाल गौरव यात्रा

Faridabad/Alive News

बड़खल विधानसभा में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को दो नम्बर लखानी धर्मशाला से एक विशाल गौरव यात्रा निकाली गई। यात्रा लखानी धर्मशाली से शुरू होकर एनएच दो ,तीन, चार ,पांच ,एसजीएम नगर से होती हुई पटेल चौक पर समाप्त हुई। गौरव यात्रा में हजारों की तदाद में कांग्रेसी कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के लोग शामिल हुए। गौरव यात्रा को सम्बोधित करते हुए विजय प्रताप सिंह ने कहा कि हमारे देश को आजाद कराने में अनेकों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान को कुर्बान किया था। उनकी इस वलिदान के कारण ही आज हमारा भारत देश आजाद हुआ है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, शहीद भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, डा भीम राव अम्बेडकर, मौलाना आजाद व अन्य आजादी के मतवालों के द्वारा इस देश को आजाद कराने में अपना योगदान दिया गया था। देश के आजाद होने के बाद प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने कार्यकाल में देश में लगातार तरक्की की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में ही हरित क्रांति श्वेत क्रांति व देश के विकास के लिए अनेकों योजनाओं को लागू किया गया था। उन्होंने कहा कि इस देश में जो आज हम लोगों के हाथ में मोबाइल में कंप्यूटर हैं। वह भी पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की ही देन है, वहीं महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने में भी कांग्रेस पार्टी का अहम योगदान रहा है। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस के नेता उमेश पंडित, युवा कांग्रेस के प्रवक्ता तरूण तेवतिया, ज्ञानचंद आहूजा, निर्वतमान पार्षद राकेश भड़ाना, अनीशपाल, युवा कांग्रेसी नेता राहुल सरदाना, राकेश कोहली, अजय नौनीहाल, शिक्षाविद भारतभूषण आर्य, सहित अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तीर्थ यात्रियों के लिए नंदराम पाहिल ने की समुचित व्यवस्था

Faridabad/Alive News

शनिवार को वॉर्ड नंबर 6 के भावी पार्षद उम्मीदवार जननायक कर्मचारी एवं मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष, शिक्षाविद एवं समाजसेवी, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रधान, शिक्षा मंदिर स्कूल के संस्थापक नंदराम पाहिल ने हरिद्वार एवं गंगा स्नान की मंगल यात्रा के समुचित व्यवस्था की गई। इस यात्रा का शुभारंभ पर्वतीय कॉलोनी स्थित जल घर से ढोल नगाड़े एवं मंगलाचार के साथ हुआ। जननायक जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजेश भाटिया ने वहां उपस्थित सभी तीर्थ यात्रियों को संबोधित करते हुए मंगलमय यात्रा की शुभकामना दी तथा सभी को गंगा माता की पवित्रता और स्वच्छता को बनाए रखने का संकल्प भी लेने को कहा। नंदराम पाहिल ने भी लोगों को संबोधित करते हुए सभी के लिए शुभ एवं सफल यात्रा की कामना की। नंदराम पाहिल द्वारा चार बसों से यात्रा की व्यवस्था से लेकर सभी तीर्थ यात्रियों के लिए नाश्ता एवं भोजन की भी समुचित व्यवस्था की गई। इस अवसर पर रतनलाल अजय सिंह, वीरेंद्र, नीतू,रोशनलाल, बलबीर सिंह, बरियां सिंह, सोनू, रिंकू, जय भगवान, हरिंदर, विजय, हरी, शिवम राय, मुकेश लता, शंकरी देवी, उगला देवी, आशा, लक्ष्मी एवं बड़ी संख्या में बुजुर्ग, मातृ शक्ति एवम नौजवान तथा कई संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद रहे।

निगमायुक्त ने अधिकारियों की टीम गठित कर कराई नालों की सफाई

Faridabad/Alive News

निगम आयुक्त यशपाल यादव ने वार्ड-11, 12, 14 और 15 के अधिकतर क्षेत्रों से सीवरेज बंद होने और जलभराव की शिकायतें प्राप्त हो रही थी। इस पर निगमायुक्त ने संज्ञान लेते हुए 6 अगस्त को 3 कार्यकारी अभियन्ताओं के सुपरविजन में वार्ड-11,12, 14 और 15 के उपरोक्त एरिया में सीवर लाईनों तथा नालों की सफाई के लिए टीमें गठित कर प्रत्येक वार्ड, प्रत्येक गली में जाकर सीवर के ढक्कनों को हटवा कर निरीक्षण करने तथा सफाई करवाने के बारे में निर्देश दिए।

निगमायुक्त ने बड़े-बड़े नालों पर अतिक्रमण हटाने व उनकी सफाई न होने के चलते बरसात के मौसम में जगह-जगह जलभराव होने के कारण संयुक्त आयुक्त एनआईटी, संयुक्त आयुक्त बल्लबगढ़ तथा अतिरिक्त निगमायुक्त की अध्यक्षता में तीन टीमों का गठन किया और दो शिफ्टो में अलग-अलग सहायक अभियंताओं की डयूटी लगाकर नालों से अतिक्रमण हटाने व उनकी सफाई के निर्देश दिए।

इसी श्रृंखला में निगमायुक्त ने 6 अगस्त को कई वार्डों के क्षेत्रों का दौरा किया तथा सख्त निर्देष दिए, जिन निर्देशों की पालना में आज सुबह से निगम अधिकारियों की टीमों ने जगह-जगह सीवर लाईनों की सफाई की तथा नालों से अतिक्रमण हटा कर उनकी सफाई करवाई।

शहर के इन नालों की हुई सफाई

रविवार को नगर निगम कर्मचारियों ने अजरौंदा चौक, प्याली से सारन चौक वार्ड-14 स्थित नर्सरी बाग, 2 नंबर

स्थित पंचकुईयां रोड तथा वार्ड-11 और एनएच-2, एनएच-5 ,1 सी ब्लाक, 1 बी ब्लाक, कृष्णा नगर नीलम अजरौंदा , 2ए/14 अरावली गोल्फ कोर्स तथा शहीद भगत सिंह मार्ग में पड़ने वाले सभी नालों की जेसीबी से सफाई करवाई है। इसके अतिरिक्त निगम अधिकारियों ने आरटीआई रोड 2एच ब्लाक, डबुआ कालोनी सब्जी मंडी, वार्ड-1 तथा एनएच-1 के नालों के ऊपर से अतिक्रमण भी हटाया है।

शिक्षा विभाग की बड़ी लापरवाही आई सामने, हिंदी माध्यम के स्कूल को भेजी अंग्रेजी की किताबें

Shashi Thakur/Alive News

फरीदाबाद : सरकार के हिंदी माध्यम के स्कूल में अंग्रेजी की किताबें पहुंचने से सरकारी अधिकारियों की लापरवाही सामने आयी है। इस सत्र में करीब छह माह बीतने के बाद सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को किताबें मिली थी, लेकिन वह किताबें भी उनके किसी काम की नही है। यह लापरवाही एनआईटी 1 मैन मार्केट के राजकीय प्राथमिक मिडिल स्कूल से सामने आई है। इस स्कूल में कक्षा छठी से लेकर आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी की बजाए अंग्रेजी माध्यम की किताबें भेज दी गई है।

शिक्षक और विद्यार्थियों की बढ़ी परेशानी

शिक्षा विभाग अधिकारियों की लापरवाही के कारण न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि स्कूल शिक्षकों के लिए भी परेशानी की स्थिति पैदा हो गई। पिछले दो साल से कोरोना के कारण स्कूलों में किताबें नही पहुंच पाई थी। लेकिन इस बार शिक्षा का सत्र समय पर शुरू हो गया था। उसके बावजूद किताबें समय पर नहीं पहुंच पाई थी और अब फरीदाबाद के कुछ सरकारी स्कूलों में 4 माह की देरी से गलत किताबें पहुंची है। जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों की परेशानी बढ़ गई है।

जिम्मेदार ही बरत रहे लापरवाही

लेकिन इन सब के बीच खास बात तो यह है कि स्कूलों में किताबें भेजने की जिम्मेदारी जिनके कंधों पर है। वह इसे महज खानापूर्ति ही समझ रहे हैं। किस स्कूल में किस माध्यम की किताबें भेजनी है, इसका उन्हें ज्ञान ही नहीं है। जिला शिक्षा विभाग अधिकारियों और कर्मचारियों की अज्ञानता और लापरवाही का खामियाजा पिछले कई सालों से किताबों का इंतजार कर रहे कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है।

क्या कहना है स्कूल प्रिंसिपल का

कुछ दिनों पहले ही जिला शिक्षा विभाग की ओर से सभी स्कूलों को एक लिंक भेजा गया था। जिसमें स्कूलों से बच्चों का ब्यौरा मांगा गया था। जो हमने उन्हें उपलब्ध करवा दिया। उसके बाद 10 12 दिन पहले ही स्कूलों में कक्षा छठी से आठवीं तक की किताबें पहुंची हैं। लेकिन जो किताबी स्कूलों में पहुंची हैं वह गलत है। राजकीय प्राथमिक मिडल विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकें भेज दी गई हैं। जिससे हमारी परेशानी बढ़ गई है। हालांकि हमने किताबों को रिटर्न करने के लिए शिक्षा विभाग को पत्र लिख दिया है।

-सुनीता भाटिया, प्रिंसिपल-राजकीय प्राथमिक मिडिल विद्यालय।

क्या कहना है ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का

जिला शिक्षा कार्यालय की ओर से स्कूलों को कोई गलत किताबें नहीं भेजी गई है। स्कूलों ने कार्यालय को जो डाटा दिया था, उसी के अनुसार स्कूलों को किताबें भेजी गई है। यही नहीं किताब सप्लाई करने वाले कर्मचारियों से भी हमारी बात हुई है। उन्होंने भी स्कूल डेटा के अनुसार ही किताबें स्कूलों में डिलीवर की है।

-मनोज मित्तल, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद।

जे.सी. बोस ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को बढावा देने के लिए शुरू किया पॉडकास्ट

Faridabad/Alive News

जे.सी. बोस विज्ञान ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को बढ़ावा देने के लिए पॉडकास्ट शुरू किया है। पॉडकास्ट का उद्देश्य छात्रों को ध्वज के प्रति प्रेम, सम्मान और देशभक्ति की भावना को जगाना और राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढावा देना है। राष्ट्रीय ध्वज दिवस 2022 के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत इस अभियान की घोषणा की थी। पहला पॉडकास्ट सहायक प्रोफेसर डॉ. भारत धीमान और डॉ. तरुना नरूला के मार्गदर्शन में पत्रकारिता और जनसंचार के बीएजेएमसी द्वितीय सेमेस्टर के छात्र अगम सिंह द्वारा लिखा और रिकॉर्ड किया गया। पूरी पहल विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह द्वारा डिजाइन की गई थी।

के.डी स्कूल में फ्री हेल्थ चेकअप कैंप में 400 लोगों ने कराई आंखों और दांतो की जांच

Faridabad/Alive News

केवल प्रेम आंखों का अस्पताल, क्लब डेंटल, मानव जनहित एकता परिषद के सयुक्त तत्वधान में पर्वतीय कॉलोनी के के.डी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में फ्री आंखों का और दांतो का चेकअप कैंप लगाया गया। जिसमे करीब चार सौ लोगों ने आंखों और दांतो की जांच कराई। जांच शिविर में लोगों को फ्री दावा, फ्री चश्में और आंखो में मोतियाबिंद पाए जाने पर फ्री ऑपरेशन किया जाएगा। क्लब डेंटेल अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने फ्री दांतो के जांच के साथ साथ लोगों को फ्री परामर्श भी दिया गया। जांच शिविर का शुभारंभ सीएम फ्लाइंग डीएसपी राजेश चेची, पूर्व विधायक नरेंद्र भड़ाना, केवल प्रेम आंखों के असपताल के अध्यक्ष अजीत पटवा, बीजेपी ओबीसी सेल के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह, केडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के चेयरमैन अजय यादव, नवप्रयास संगठन के अध्यक्ष सुनील यादव, मानव जनहित एकता परिषद के अध्यक्ष सचिन तवर, शिक्षाविद् राजेश मदान, अरुण पुंडीर, यादव समाज के प्रधान हरीबाबू यादव, बेजपी नेता रोशन सिंह रावत आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर किया। स्कूल के चैयरमेन अजय यादव ने कहा कि स्कूल की ओर से पहले भी क्षेत्र के लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य से संबंधित जांच शिविर लगवाए है और स्कूल में हर साल ब्लड डोनेशन कैंप भी लगते आ रहे है। स्कूल मैनेजमेंट का उद्देश्य है स्कूल के आस पास के क्षेत्र में रह रहे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को समय समय पर कैंप के माध्यम से फ्री स्वास्थ्य सेवाएं दिलाना। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में स्कूल हमेशा अग्रणी रहा है। समाज सेवा के क्षेत्र में स्कूल आगे भी कार्य करता रहेगा। केवल प्रेम आंखों का अस्पताल के अध्यक्ष अजीत पटवा ने कहा कि यह कैंप बिल्कुल निशुल्क है। यहां पर लोगों के आंखों और दांतो का चेकअप किया जा रहा है। इससे पहले भी यह अस्पताल कई जगह फ्री आंखो का चेकअप कैंप लगवा चुका है। फ्री में दवाइयां और चश्में भी वितरित किए जा रहे हैं।

सतयुग दर्शन में पांचवीं अन्तर प्रादेशिक प्रतियोगिता का हुआ समापन

Faridabad/Alive News

75वीं आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में सतयुग दर्शन संगीत कला केन्द्र द्वारा 5वीं अन्तर प्रादेशिक सांगीतिक प्रतियोगिता का समापन सतयुग दर्शन के सभागार में आयोजित किया गया।

सतयुग दर्शन में पांचवीं अन्तर प्रादेशिक प्रतियोगिता का मंगलवार को समापन किया गया। स्कूल ने इस प्रादेशिक सांगीतिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में हरियाणा, उत्तर प्रदेश और एनसीआर के विजेताओं के मध्य प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें समूह गान, समूह नृत्य प्रस्तुत किये गये। इस प्रतियोगिता का विषय समूह गीत-देश भक्ति गीत, मानवीय मूल्यों पर आधारित पुस्तक में से दिये गए समूह नृत्य भक्ति गीतों पर आधारित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ सतयुग दर्शन ट्रस्ट के मार्गदर्शक सजन मैनेजिंग ट्रस्टी रशमा गान्धी, प्रदीप कुमार रजिस्ट्रार प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद एवम चेयरपर्सन अनुपमा तलवार ने सभी अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

इस अवसर पर सतयुग दर्शन संगीत कला केन्द्र की

चेयरपर्सन अनुपमा तलवार, जो कि स्वयं भी एक उच्च कोटि की गायिका एवं नृत्यांगना हैं, ने बताया यह संगीत कला केन्द्र वसुन्धरा, फरीदाबाद के अतिरिक्त गुड़गाँव, जालन्धर शहर, अम्बाला कैन्ट, सहारनपुर, पानीपत, रोहतक, दिल्ली, लुधियाना इत्यादि में भी हैं। साथ ही यह भी बताया कि संगीत कला केन्द्र प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद में 1926 से संगीत शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत देश की सबसे प्राचीन शिक्षण संस्था है। सतयुग दर्शन संगीत कला केन्द्र में प्रयाग संगीत समिति के प्रवेशिका कोर्स से लेकर संगीत प्रभाकर डिग्री कोर्स के लिए शिक्षण व्यवस्था का समुचित प्रबन्ध है।

Wish you all Happy Independence Day

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों को अलाईव न्यूज परिवार की ओर से आजादी की 75वीं वर्षगाठ और जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाए।

तिलक राज शर्मा
संपादक

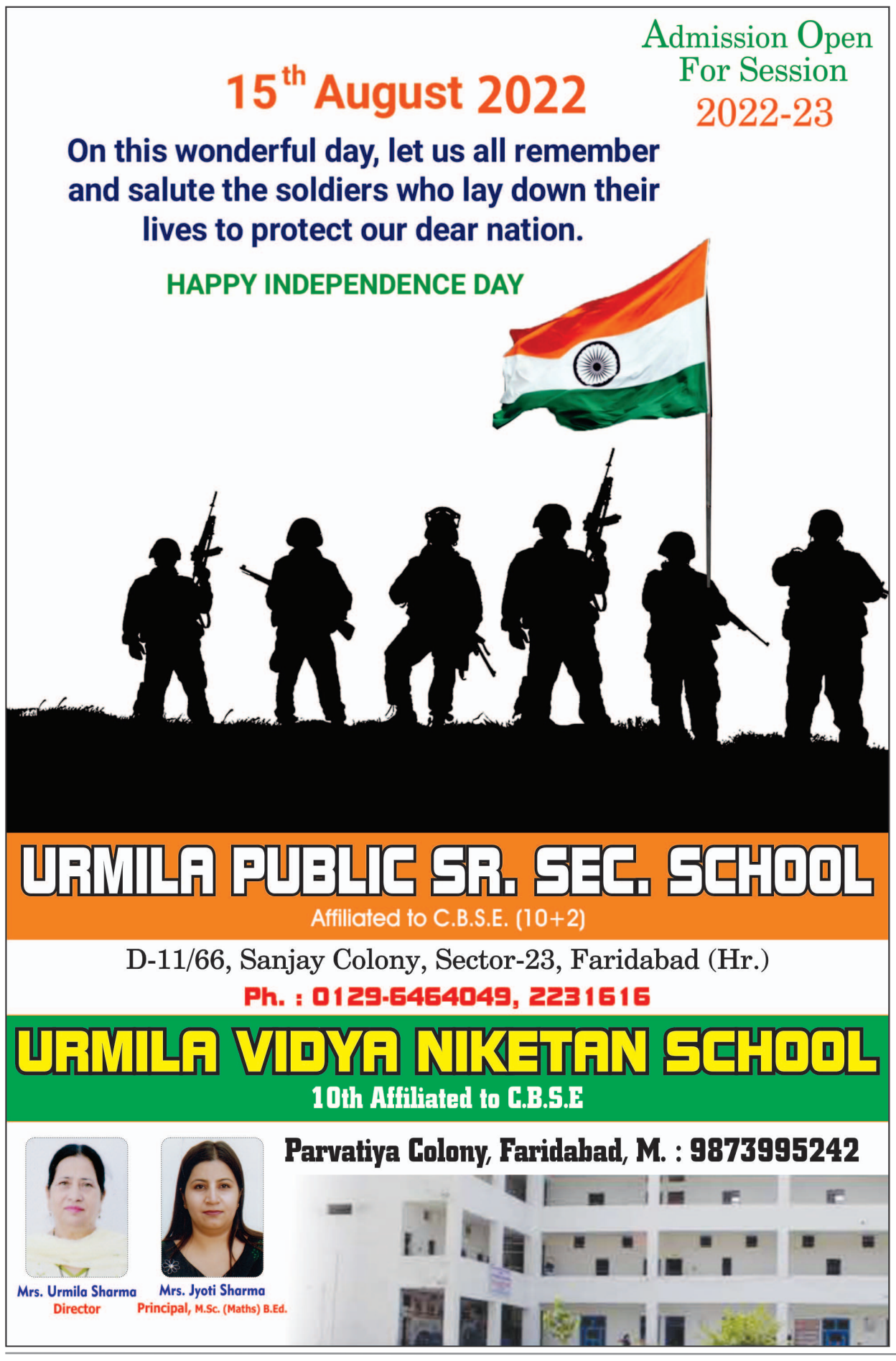

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448